दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

बलरामपुर
मंगलवार, 10 मार्च 2026
वर्ष: 05 अंक : 157 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने परखी व्यवस्थाएं, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आगामी 14 मार्च 2026 को जनपद में आयोजित होने वाले भव्य श्मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रमश को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को प्रस्तावित विवाह स्थल (विवाह मंडप) का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। वर–वधू और परिजनों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि विवाह में शामिल होने वाले जोड़ों और उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पंडाल, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और साफ–सफाई जैसे मूलभूत प्रबंधों को समय से पहले दुरुस्त करने पर जोर दिया। सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्लान कार्यक्रम में उमड़ने वाली संभावित भीड़ को देखते हुए डीएम ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर मजबूत बैरीकेटिंग की व्यवस्था की जाए। वाहनों के सुचारु आवागमन के लिए अलग से पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएं। प्रवेश और निकास द्वार इस प्रकार व्यवस्थित हों कि कहीं भी अफरा–तफरी की स्थिति न बने। जिलाधिकारी ने एक महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि लाभार्थियों को दी जाने वाली उपहार सामग्री के वितरण स्थल पर बड़े बैनर लगाए जाएं, जिसमें दी जाने वाली सभी वस्तुओं का स्पष्ट विवरण हो। इससे पारदर्शिता बनी रहेगी और लाभार्थियों को मिलने वाले सामान की सटीक जानकारी मिल सकेगी। ष्मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्यक्रम है। इसकी गरिमा बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए 14 मार्च से पूर्व सभी तैयारियां पूरी कर लें। शिवशरणप्पा जीएन, जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर निरीक्षण के दौरान समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, राजस्व विभाग की टीम और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद जगदंबिका पाल ने लोकसभा में उठाया सिद्धार्थनगर के बौद्ध पर्यटन का मुद्दा, पिपरहवा के विकास पर केंद्र से माँगा जवाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद जगदंबिका पाल ने देश की संसद में जनपद के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव का मुद्दा प्रखरता से उठाया। सोमवार, 9 मार्च 2026 को लोकसभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 2750 के माध्यम से उन्होंने सिद्धार्थनगर स्थित पिपरहवा सहित देश के अन्य बौद्ध स्थलों के विकास और वहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी। पर्यटकों की संख्या में भारी उछाल, सिद्धार्थनगर बन रहा वैश्विक केंद्र सांसद श्री पाल के प्रश्न के उत्तर में सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों ने जनपद में पर्यटन की सुखद तस्वीर पेश की है। पिछले पांच वर्षों में सिद्धार्थनगर में कुल 13,35,199 पर्यटकों का आगमन हुआ। विशेष रूप से विदेशी पर्यटकों की संख्या में साल–दर–साल रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है विदेशी पर्यटक वर्ष 2021 में मात्र 90 विदेशी पर्यटकों के मुकाबले 2025 में यह संख्या बढ़कर 23,341 तक पहुँच गई है। कुल घरेलू पर्यटकरू पिछले पांच वर्षों में

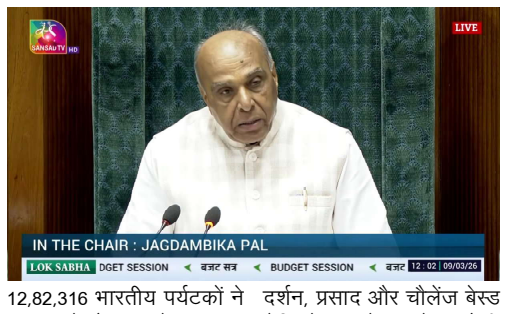

12,82,316 भारतीय पर्यटकों ने जनपद के बौद्ध स्थलों का भ्रमण किया। लुंबिनी और सिद्धार्थनगर के बीच क्रॉस–बॉर्डर कनेक्टिविटी पर जोर श्री पाल ने केंद्र सरकार से पूछा कि क्या नेपाल स्थित भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी और भारत के सिद्धार्थनगर के बीच सीमा–पार पर्यटन को सुदृढ़ करने के लिए कोई विशेष योजना है। उन्होंने भूटान, श्रीलंका और थाईलैंड जैसे बौद्ध देशों के साथ बेहतर संपर्क और तीर्थाटन को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। केंद्र सरकार की योजनाओं से संवरेगा बौद्ध सर्किट पर्यटन मंत्री ने सदन को बताया कि सरकार स्वदेश दर्शन, प्रसाद और चौलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से बुनियादी ढांचे, सोशल मीडिया अभियानों और अंतरराष्ट्रीय प्रचार पर कार्य कर रही है। सिद्धार्थनगर और पिपरहवा जैसे स्थलों का समग्र विकास न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आर्थिक उन्नति के नए द्वार भी खोलेगा। – जगदंबिका पाल, सांसद (डुमरियागंज)

सफाई कर्मचारी संघ की खेसरहा इकाई का गठन, कमलेश गुप्ता लगातार नौवीं बार ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा ब्लाक सभागार में सोमवार को उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज्य सफाई कर्मचारी संघ की खेसरहा ब्लाक इकाई का गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया संगठन के जिला अध्यक्ष जग नारायण व सह चुनाव अधिकारी अश्वनी पाठक की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान सभी पदों पर एकल नामांकन प्राप्त होने के कारण सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव में कमलेश गुप्ता को लगातार नौवीं बार ब्लाक अध्यक्ष चुना गया। उनके निर्विरोध चयन पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। ब्लाक इकाई के विस्तार में आशाराम को ब्लाक मंत्री, विनय कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दुर्गेश यादव को ब्लाक संप्रेक्षक तथा घनश्याम को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं महिला मोर्चा में अस्पा यादव को ब्लाक अध्यक्ष और संजू देवी को मंत्री बनाया गया। नवनिर्वाचित ब्लाक अध्यक्ष कमलेश गुप्ता ने कहा कि संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करेंगे तथा सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस मौके पर अर्जुन प्रसाद, अजय कुमार, दिलीप प्रजापति, अश्वनी कुमार पाठक, विनय कुमार, रामप्रकाश, राम नरेश, अशोक, अशोक पासवान सहित कई लोग मौजूद रहे।

डीएम ने गैस एजेंसी का किया औचक निरीक्षण, सुरक्षा मानकों और पारदर्शी वितरण पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में उपभोक्ताओं को सुचारु और सुरक्षित गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने भीमापार, नौगढ़ स्थित आशीर्वाद गैस सर्विस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने न केवल एजेंसी के स्टॉक और सुरक्षा उपकरणों की जांच की, बल्कि मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गैस सिलेंडरों के भंडारण (स्टोरेज) और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए किरू फायर एक्सटिंग्विशर और अन्य सुरक्षा उपकरण हर समय क्रियाशील (वर्किंग कंडीशन) होने चाहिए। भंडारण क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का शत–प्रतिशत पालन अनिवार्य है। कर्मचारियों को सिलेंडरों के परिवहन और वितरण के दौरान विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने एजेंसी संचालक को निर्देशित किया कि गैस वितरण प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडरों के वितरण में किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं को निर्धारित समय के भीतर सिलेंडर उपलब्ध कराना एजेंसी की प्राथमिकता होनी चाहिए। डीएम ने वहां आए उपभोक्ताओं से बातचीत कर यह जाना कि उन्हें सिलेंडर मिलने में कोई कठिनाई तो नहीं हो रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि गैस वितरण में कोई भी गड़बड़ी या अवैध वसूली की शिकायत हो, तो तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। निरीक्षण के अंत में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद की सभी गैस एजेंसियों की समय–समय पर आकस्मिक जांच की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य गैस वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन–हितैषी बनाना है। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी और गैस एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीएम ने किया निर्माणाधीन 1000 सीटर ऑडिटोरियम का औचक निरीक्षण, समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में सांस्कृतिक और सरकारी आयोजनों को नई भव्यता देने के लिए बन रहे 1000 सीट क्षमता वाले विशाल ऑडिटोरियम का सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने स्थलीय निरीक्षण किया। निर्माण की कछुआ चाल और गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए डीएम ने कार्यदायी संस्था को कड़ी चेतावनी दी कि समय–सीमा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परिसर के एक–एक हिस्से का बारीकी से जायजा लिया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान में प्लिंथ लेवल तक के कॉलम और बाउंड्रीवाल बनाने का काम तेजी से चल रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नींव से लेकर फिनिशिंग तक, निर्माण की गुणवत्ता मानक के अनुरूप ही होनी चाहिए। भविष्य में किसी भी तकनीकी खामी से बचने के लिए जिलाधिकारी ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए थर्ड पार्टी वेरिफिकेशन (तीसरे पक्ष से सत्यापन) कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समय–समय पर निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाएगी और यदि कहीं भी अनियमितता मिली, तो संबंधित अधिकारियों व संस्था के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनपद के लिए मील का पत्थर साबित होगी परियोजना डीएम ने इस ऑडिटोरियम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा 1000 सीट क्षमता वाला यह ऑडिटोरियम जनपद की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इससे भविष्य में बड़े सांस्कृतिक आयोजनों, सरकारी कार्यक्रमों और सार्वजनिक गतिविधियों के लिए एक आधुनिक मंच उपलब्ध होगा। इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा करना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में 1682 मरीजों को मिला उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में रविवार को सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया। इन मेलों में कुल 1682 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, लाभार्थियों में 735 पुरुष, 689 महिलाएं और 258 बच्चे शामिल रहे। मेलों में आए मरीजों का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप, शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र एवं दंत रोगों की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। दवा वितरण काउंटर के माध्यम से निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बघनी का निरीक्षण किया गया।

ढाई करोड़ की लागत से बने वैदिक मंडपम विवाह भवन का हुआ शुभारंभ, पहले ही दिन संपन्न हुआ पहला विवाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा में लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत से निर्मित वैदिक मंडपम विवाह भवन का सोमवार सुबह विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर शुभारंभ किया गया। इस भवन के शुरू होते ही उसी दिन यहां पहला वैवाहिक समारोह भी संपन्न हुआ, जिससे नगरवासियों में खुशी का माहौल देखने को मिला। शुभारंभ के बाद शाम को नगर के वार्ड नंबर 2 निवासी ओम प्रकाश सोनी की पुत्री प्रगति सोनी का विवाह इसी वैदिक मंडपम विवाह भवन में संपन्न कराया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष सहित सभी सभासदों ने नवदंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा ने बताया कि इस वैदिक मंडपम विवाह भवन के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को सामाजिक एवं वैवाहिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर और सुलभ सुविधा मिलेगी। इससे नगर के विकास को भी नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस भवन के बनने से स्थानीय लोगों को कम खर्च में बेहतर व्यवस्था के साथ अपने कार्यक्रम आयोजित करने की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मंटू पाण्डेय, संतोष वर्मा, सुनील यादव, जुग्गीलाल पासवान, कुंवर साहब उपाध्याय, जुग्गीलाल चौहान, राजू वर्मा, शिवकुमार गुप्ता, वीरेंद्र दुबे, शिवप्रसाद गुप्ता, मनोहर गौतम, धर्मराज यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रंगों और उमंग के बीच मना सर्राफा व्यापार मंडल का वार्षिकोत्सव व होली मिलन समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सर्राफा व्यापार मण्डल (रजि.) द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव एवं होली मिलन

समारोह रविवार सायंकाल रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में गीत–संगीत, लोकनृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। देर रात तक चली प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। होली मिलन समारोह के दौरान सर्राफा व्यापारियों ने एक–दूसरे को गले मिलकर गुलाल व अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारी अपने परिवारों के साथ शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और भी बढ़ गया। कार्यक्रम के दौरान समाजहित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई समाजसेवियों व व्यापारियों को स्मृतिचिन्ह, प्रमाणपत्र व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित हुए प्रमुख लोग– स्व. अमरीक लाल मल्होत्रा के प्रतिनिधि, स्व. रामनाथ सर्राफ के प्रतिनिधि कन्हैया सोनी, दीपक प्रकाश सोनी (दाऊ जी), मगन बिहारी रस्तोगी, राकेश वर्मा, मदन लाल रस्तोगी, परशुराम त्रिपाठी, प्रदीप सर्राफ, नागेश्वर नाथ रस्तोगी, सुमित कुमार खन्ना। कार्यक्रम में रहे उपस्थित– अध्यक्ष सत्येंद्र रस्तोगी, महामंत्री राजेश रस्तोगी, कोषाध्यक्ष आशुतोष सोनी, हेमंत मिश्र, सचिन श्रीवास्तव, गुरुदेव सिंह नागर, महेश गुप्ता, नूर ज्वैलर्स, अर्जुन रस्तोगी, कन्हैया सोनी, रवि रस्तोगी, रनीश जैन सहित बड़ी संख्या में सर्राफा व्यापारी सपरिवार मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अभिषेक रस्तोगी ने किया। समारोह के अंत में सभी के लिए सहभोज का भी आयोजन किया गया।

गीत–संगीत, लोकनृत्य और मेहंदी प्रतियोगिता से सजा कार्यक्रम, समाजसेवा व व्यापार क्षेत्र में योगदान देने वालों को किया गया सम्मानित

मंदिर परिसर में एसएसबी एवं समाजसेवियों ने की साफ सफाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

कठेला/सिद्धार्थनगर। सोमवार को स्वच्छता और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 50वीं वाहिनी के नेतृत्व में कठेला स्थित समय माता स्थान परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसएसबी के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय लोगों ने मिलकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र की साफ–सफाई की तथा स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया और कहा कि सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों तथा गांव–शहर को स्वच्छ रखने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। स्वच्छता अभियान के माध्यम से लोगों को साफ–सफाई के प्रति जागरूक भी किया गया। इस दौरान समाजसेवी अनिल अग्रहरि, असिस्टेंट कमांडेंट अजय कुमार, नगर पंचायत बढ़नी के अध्यक्ष सुनील अग्रहरि, सांसद प्रतिनिधि अनूप पाण्डेय, ग्राम प्रधान बब्लू यादव, मंडल अध्यक्ष कठेला श्यामू गुप्ता, पूर्व प्रधान कृष्णा यादव, सुरेन्द्र चौहान, बरकत, कोटेदार पप्पू चौहान, राजा यादव, बंटी अग्रहरि, राजेश यादव, विनय यादव, सुदामा, संदीप, जितेन्द्र साहनी, बालगोविन्द निषाद, सुरेन्द्र निषाद, कोटेदार रामू, शिवपाल वरुण, तौफीक चौधरी, बजरंगी प्रजापति, संतोष अग्रहरि, प्रमोद गुप्ता, पवन अग्रहरि, वृजेश अग्रहरि तथा सुनील आदि मौजूद रहे।

अपनी उड़ान को बहुत मजबूत रखें-एसडीएम

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अपनी उड़ान को मजबूत बनाकर ही कार्य करें।चाहत के बगैर हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। लक्ष्य बनाकर कठिन परिश्रम से ही तैयारी करना लाभदायक होगा।ज्ञान ही दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है। उक्त जानकारी एसडीएम कुणाल ने डॉ राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज इटवा पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर दिया है। बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि जब हम समाज के करीब जाते हैं तब हमें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है।मूलमंत्र हमारे पीछे छूट जाता है।राष्ट्रीय सेवा योजना में बच्चे स्वयं के प्रेरणा से ही कार्य करते हैं।अपने अवसर का प्रयोग गैप को भरने में करें।आप मे जब तक चाहत नहीं होगा तब तकआगे नहीं बढ़ सकते हैं। हर व्यक्ति का अपना महत्व है। समाज मे हमारा जरूरत है।अपने दायित्वों का अच्छी तरह से निर्वहन करें।हमारी उड़ान बहुत मजबूत होनी चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सामाजिक चेतना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे शिविर के दौरान

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा जागरूकता और सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लें तथा समाज के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। विश्व से अपने को जोड़कर अपनी क्षमता में बृद्धि करें।जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य बनाकर नियमित तैयारी करना आवश्यक है।पढ़ाई के साथ साथ आप सब समाज का अध्ययन करें।दहेज प्रथा,भेदभाव आदि के प्रति समाज को जागरूक करें। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अपने को तैयार करें।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ बलराम त्रिपाठी ने स्वयं सेवकों को अनुशासन तथा समय प्रवंधन एवं परीक्षा की तैयारी सहित कई अन्य विषयों पर बिस्तार से जानकारी दिया। कालेज के प्रवक्ता मोहम्मद आजम खां ने एनएसएस के बारे में जानकारी देते हुए समाज मे व्याप्त दहेज प्रथा जैसी कुरीति को समाप्त करने का आह्वान किया ।इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य डॉ अष्टभुजा पांडेय ने सभी छात्र/छात्राओं को संयमित तथा अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करने की सीख दी।उन्होंने अच्छी शिक्षा प्राप्त करने तथा अच्छे संस्कार ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया । इस बार एन एस एस के तहत महाविद्यालय में दो इकाइयां डॉ रम मनोहर लोहिया तथा स्वामी विवेकानंद घोषित की गई हैं।दिनों के संयुक्त तत्वाधान में इस शिविर का शुभारंभ हुआ।डॉ राम मनोहर लोहिया इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना है।जिससे वे समाज के जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें।स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि सात दिनों तक चलने वाले इस विशेष शिविर में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, ग्राम भ्रमण, जागरूकता रैली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियां तथा विचार गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने और व्यवहारिक रूप से सेवा कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसका संचालन डॉ पवन पांडेय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कालेज के प्राचार्य डॉ अष्टभुजा पांडेय ने सभी स्वयं सेवकों को अनुशासन में रहकर पढ़ाई के साथ साथ अच्छे संस्कार सीखने के लिए प्रेरित किया।इसमें छात्र/छात्राओं ने सरस्वती वंदना,राष्ट्रीय गीत,महिला सशक्तिकरण, लोकगीत बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ पवन कुमार पांडेय ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार जताया।इस अवसर पर स्वयं सेवकों में प्रिया, खुशी, परवेज, राजेश, शालिनी, आदि ने कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया। इस शिविर में महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ0 प्रमोद द्विवेदी,डॉ नुरुल हसन,डॉ आज़म खान, अम्बिकेश्वर त्रिपाठी, एस पी मणि, राकेश दूबे, रंजना दूबे, विजेंद्र, राम कुमार, आदित्य ,राकेश दुबे ,आदित्य कसेरा सहित तमाम स्टाफ के लोग उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में सोमवार को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट एवं कठोर निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 'जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनपद में विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने जनपद में विद्युत व्यवस्था से संबंधित समस्याओं के निराकरण तथा आगामी दिनों में प्रस्तावित विद्युत समिति के कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने पर बल दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के जिन भी प्राथमिक विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अभी तक विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं है, उनकी

समस्त सूची शीघ्र तैयार कर विद्युत विभाग को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त सूची के आधार पर ऐसे सभी विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर विद्युतीकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिल सके। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि हर घर नल योजना के अंतर्गत जिन स्थानों से पेयजल की आपूर्ति की जाती है, वहां निर्धारित समयावधि में विद्युत आपूर्ति अवश्य उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति व्यवस्था निर्बाध रूप से संचालित हो, इसके लिए जल निगम एवं विद्युत विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के ऐसे स्थानों की पहचान की जाए जहां विद्युत तार ढीले पड़े हैं या खंभों की कमी है। ऐसे स्थानों पर विद्युत तारों को कसवाने तथा आवश्यकतानुसार खंभे लगाने की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लटके हुए विद्युत तार दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं, इसलिए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार नियमित रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा विद्युत बिल एवं अन्य समस्याओं से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागति अवस्थी, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकूल आनन्द पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

प्रथम बनकटा गांव में मोरंग, गिट्टी, बालू डालकर कब्जे की तैयारी, राहगीर परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। बांसी खलीलाबाद मार्ग पर बनकटा प्रथम पीडब्लूडी चौराहे पर दो साल से बालू मोरगं गिट्टी सरिया सब रोड के बगल में ही दुकान लगाए जाने से आने जाने वाले लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है प्रथम बनकटा गांव में जाने वाली नहर की रास्ता पर वहां पर भी गिट्टी मोरंग बालू सर दुकान लगाए हुए हैं साथ ही साथ अक्सर दुर्घटनाएं भी होती रहती है। उसी रास्ते से अधिकारी कर्मचारी प्रशासन आते जाते रहते हैं मगर कोई उसको संज्ञान में नहीं लिया जाता है इस पर प्रशासन का कोई ध्यान में नहीं लेते हैं इस अवैध कब्जा करने वालों का मनोबल पूरी तरह बढ़ गया है। बनकटा प्रथम चौराहे पर कुछ दुकानदारों ने मोरंग गिट्टी बालू आदि की दुकान खोलकर उसे सड़क पर ही फैला रखा है जिससे आने जाने वाले लोगों को काफी दिक्कत होती है। कई बार क्षेत्र के तमाम लोगों ने इसको हटाने की मांग की लेकिन किसी भी कब्जाधारी दुकानदार ने उसे हटाने का प्रयास नहीं किया लोगों ने प्रशासन से शिकायत की परंतु प्रशासन ने भी कोई ध्यान नहीं दिया जिससे आए दिन यहां दुर्घटना होती रहती है और लोग चोटिल होते रहते हैं। ग्राम पंचायत बनकटा प्रथम के धनुधारी पांन्डेय ने प्रशासन से अतिशीघ्र इस सड़क से बालू गिट्टी मोरंग हटवाने की मांग की है। प्रथम बनकटा गांव वालों का कहना है की इस पर प्रशासन क्यों नहीं ध्यान दे रही है आने–जाने में दिक्कत जैसे की रेलवे लाइन भी बन रही है बड़ी गाड़ी आती जाती है हर वक्त समस्या बढ़ती जा रही है तो गांव वालों का कहना है कि प्रशासन इस पर ध्यान दें और यह गिट्टी मोरंग बालू दुकान हटवाए अवैध कब्जा से दूर करें प्रशासन से अति शीघ्र हटाने की मांग कर रहे हैं

पर्यटन में शामिल होगा शिवगढ़ धाम मंदिर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। नगर पंचायत पचपेड़वा सीमा में स्थित सुप्रसिद्ध शिवगढ़ धाम मंदिर जल्द ही पर्यटन में शामिल होगा, जिसका खाका भेजा जा चुका है, यह बात गैसड़ी के नि. विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू ने शिवगढ़ धाम मंदिर सौंदर्यीकरण और सरोवर के कायाकल्प के अवसर पर भूमि पूजन शिलान्यास करते हुए कहा, इस अवसर पर जे सी बी से सरोवर का मिट्टी निकाल कर गहरा किया।नि. विधायक ने कहा कि हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार धार्मिक स्थलों के विकास के लिए तेजी से कार्य कर रही है , गैसड़ी विधानसभा में रहिया देवी मंदिर और पचपेड़वा का शिवगढ़ धाम मंदिर को पर्यटन स्थल के लिए लिखा गया है, पचपेड़वा चेयरमैन रवि वर्मा वंदन योजना के तहत सौंदर्यीकरण का कार्य करवा रहे हैं बहुत ही अच्छा काम हो रहा है। पचपेड़वा चेयरमैन ने कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से यह कार्य करवाया जा रहा है। सभी श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र है शिवगढ़ धाम मंदिर।इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी अवनीश सिंह,ब्लॉक प्रमुख मनोज तिवारी, भाजपा नेता कामेश्वर मिश्रा, गैसड़ी चेयरमैन प्रिंस वर्मा, मंडल अध्यक्ष पचपेड़वा अमित जायसवाल, मंडल महामंत्री रामविलास विश्वकर्मा, अरुणदेव पाठक , कार्यक्रम संचालन कर रहे अभय वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

इरान ने दागे 11 गोल, Team India को मिली अब तक की सबसे शर्मनाक हार

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चौंपियन जापान से 0–11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5–0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है।

2014 और 2018 के चौंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे। इस करारी हार के बाद भारत ग्रुप सी में शून्य अंक और माइनस–12 गोल अंतर के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

यह नतीजा भारत की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म नहीं करता। भारतीय टीम मंगलवार को अगर अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को दो गोल के अंतर से हरा देती है और कुछ अन्य परिणाम उसके मुताबिक रहे तो वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच सकती है। भारत के लिए हालांकि उच्च रैंकिंग वाली चीनी ताइपे को हराना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम इससे पहले अपने पहले मैच में वियतनाम से 1–2 से हार गयी थी। चीनी ताइपे ने शनिवार को एक अन्य मैच में वियतनाम को 1–0 से हराया।

Khamenei का कौन है मबतमज उत्तराधिकारी ? प्तंद की सर्वोच्च परिषद ने नाम पर लगाई मुहर, जल्द होगा ऐलान

तेहरान स्थित मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में विशेषज्ञों की सभा ने दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी के संबंध में बहुमत से सर्वसम्मति प्राप्त कर ली है।

यह घटनाक्रम 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद हुआ है। विशेषज्ञों की सभा के सदस्य मीरबाकेरी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि खामेनेई के उत्तराधिकारी पर बहुमत से सर्वसम्मति बन गई है, लेकिन संक्रमण प्रक्रिया अभी पूरी तरह से संपन्न नहीं हुई है क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित कुछ बाधाओं को दूर करना बाकी है।

इस सप्ताह बुधवार को सत्ता परिवर्तन की दिशा में हो रहे इस प्रयास को और बल मिला, जब ईरान की नेतृत्व परिषद ने कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुई

सरकारी मीडिया को सूचित किया कि जल्द से जल्द उत्तराधिकारी नियुक्त किया जाएगा। तसनीम न्यूज एजेंसी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, एक अधिकारी ने सरकारी टेलीविजन को बताया कि नेतृत्व के क्षेत्र में है। उन्होंने पुष्टि की कि नेतृत्व परिषद वर्तमान में देश का संचालन कर रही है, और कहा कि ईश्वर की कृपा से, हम इसके करीब पहुँच गए हैं, लेकिन स्थिति युद्ध जैसी है।

वहीं, पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच ईरान की राजधानी तेहरान में एक तेल भंडारण सुविधा के ऊपर आग की लपटों के गुबार उठते दिखाई दिए और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सप्ताह भर से जारी युद्ध के अगले चरण में ''कई आश्चर्यजनक कदम उठाए जाने'' की चेतावनी दी। इजराइल की सेना ने पुष्टि की कि उसने तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया। ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध में पहली बार किसी असैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान को निशाना बनाया गया है। सरकारी मीडिया ने राजधानी और उत्तर में पड़ोसी प्रांतों को आपूर्ति करने वाले इस केंद्र पर हमलों के लिए ''अमेरिका और यहूदी शासन'' को जिम्मेदार ठहराया।

थाना नवाबगंज पुलिस व एस0ओ0जी0 टीम की संयुक्त कार्यवाही से अपहरणध्लूट की घटना का सफल अनावरण

गोण्डा। एस0ओ0जी0 व थाना नवाबगंज की संयुक्त टीम द्वारा गोण्डा–उमरिया पावर हाउस के पास पुलिस मुठभेड़ के दौरान 2 शातिर बदमाशों–1. विकास मिश्रा पुत्र प्रेमनारायण मिश्रा, 2. सौरभ दुबे पुत्र सूरज दूबे को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 1 अदद जिन्दा व 1 अदद खोखा कारतूस, 1 अदद पैशन प्रो मोटरसाईकिल व 58,000ध्– रू0 नगद बरामद किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक दिनांक 3.3.2026 को थाना नवाबगंज जनपद गोण्डा क्षेत्रांतर्गत आवेदिका सुशीला यादव पत्नी अंकित कुमार यादव निवासी ग्राम पहली थाना नवाबगंज जनपद गोण्डा द्वारा लिखित तहरीर दी गयी कि दिनांक 2.3.2026 को समय लगभग 12 बजे दिन में एक काले रंग की थार गाड़ी से आए एक व्यक्ति द्वारा उनके पति अंकित कुमार यादव पुत्र नंदराम यादव (उम्र लगभग 30 वर्ष) को घर से बुलाया गया। आवेदिका के अनुसार उक्त व्यक्ति के बुलाने पर उनके पति अंकित कुमार यादव अपनी मोटरसाइकिल से कटरा तिराहा की ओर जाने के लिए घर से निकले। रास्ते में अकबरपुर चौराहे के पास उक्त व्यक्ति एवं उसके चार अन्य अज्ञात साथियों द्वारा उन्हें जबरन अपनी थार गाड़ी में बैठाकर जान से मारने की नीयत से अपहरण कर लिया गया। उक्त सूचना के आधार पर थाना नवाबगंज पर तत्काल मु0अ0सं0 65ध्2026 धारा 140(1) बीएनएस बनाम अज्ञात अभियुक्तगण के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रारम्भ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के पर्यवेक्षण में 4 पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा प्रभारी एस0ओ0जी0ध्सर्विलांस को भी घटना के सफल अनावरण हेतु लगाया गया था। पुलिस द्वारा तत्काल सक्रियता दिखाते हुए संभावित स्थानों पर सघन तलाश एवं दबिश की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। इसी क्रम में पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपहृत अंकित कुमार यादव को मसकनवा गौशाला तिराहा के पास से सकुशल बरामद कर लिया गया। घटना में शामिल अज्ञात अभियुक्तों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का अवलोकन किया गया तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। जिसमें आज दिनांक 6.3.2026 को थाना नवाबगंज व एस0ओ0जी0ध् सर्विलांस की संयुक्त टीम क्षेत्र में भ्रमण शील थी कि सूचना प्राप्त हुई कि उक्त घटना से सम्बन्धित 2 शातिर बदमाश उमरिया पावर हाउस की तरफ आ रहे है। पुलिस टीम द्वारा उमरिया पावर हाउस के पास बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया गया। जिसमें बदमाशों द्वारा स्वयं को घिरता हुआ पाकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी गयी। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में शातिर बदमाश विकास मिश्रा के पैर में गोली लगी, इस दौरान उसका साथी अभियुक्त सौरभ दूबे द्वारा मौके से भागने की कोशिश की गई लेकिन पुलिस ने तत्परता से घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल को उपचार हेतु जिला अस्पताल गोण्डा में भर्ती कराया गया। पुलिस द्वारा अभियुक्तगणों के कब्जे से 2 अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 2 अदद जिन्दा व 1 अदद खोखा कारतूस, 1 अदद पैशन प्रो मोटरसाईकिल, 58,000ध्– रू0 नकद बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरूद्ध थाना नवाबगंज में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तगणों द्वारा पूछताछ में स्वीकारा कि थाना खोड़ारे क्षेत्र में दिनांक 4.2.2026 को वादी निर्मल प्रसाद दुबे पुत्र स्व० जगदत्त प्रसाद दुबे निवासी ग्राम कूकनगर ग्राण्ट छब्बन दूबेडीह थाना खोड़ारे जनपद गोण्डा जो उत्तर प्रदेश बड़ौदा ग्रामीण बैंक शाखा कूकनगर ग्राण्ट से 10,000 रुपये निकालकर साइकिल से घर जा रहे थे कि रास्ते में जनता इंटर कॉलेज से लगभग 200 मीटर पीछे रास्ता पूछने के बहाने अवैध कट्टे के बट से उनके सिर पर वार कर 10,000 रुपये छीन लिये थे।

फिल्म पेड्डी से जाह्नवी कपूर का नया लुक जारी, गांव की छोरी बनकर मचाएंगी धमाल

सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म पेड्डी लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। 2025 में आई गेम चेंजर की निराशाजनक परफॉर्मेंस के बाद, राम की इस फिल्म से लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित पेड्डी में जाह्नवी कपूर बतौर मुख्य अभिनेत्री नजर आएंगी। चूकि 6 मार्च को अभिनेत्री 29 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर फिल्म से उनकी नई झलक जारी की गई है।

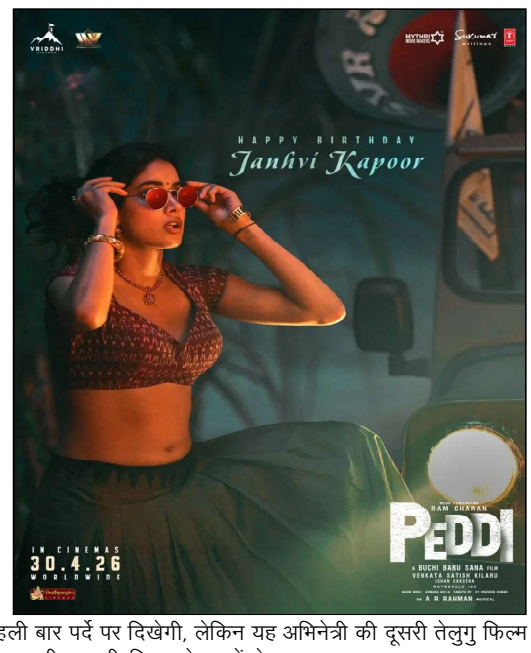

30 अप्रैल को रिलीज हो रही पेड्डी में, जाह्नवी को अचियम्मा के रूप में पेश किया गया है। पोस्टर में वह साहसी, आत्मविश्वासी और ऊर्जा से भरपूर दिखी हैं। सूती कपड़ों के साथ, गोल फ्रेम का चश्मा लगाए उनका लुक गांव की देहाती छोरी जैसा प्रतीत होता है। बता दें, जाह्नवी और राम की जोड़ी पहली बार पर्दे पर दिखेगी, लेकिन यह अभिनेत्री की दूसरी तेलुगु फिल्म है। इससे पहले उन्हें जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा में देखा गया था।

द केरल स्टोरी 2 ने 8वें दिन भी मचाई धूम, कर डाली शानदार कमाई

उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया स्टारर द केरल स्टोरी 2 ने अपना पहला हफ्ता पूरा कर लिया है और अब तक इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई अच्छी रही है. हालांकि सीक्वल फैक्टर को ध्यान में रखें, तो ये फिल्म अपने पहले पार्ट के मुकाबले बंपर कमाई नहीं कर पाई है लेकिन अगर हम उन्हें अलग–अलग देखें, तो कलेक्शन ठीक–ठाक रहे हैं. ये घरेलू कमाई से पूरा बजट वसूलने की ओर बढ़ रही है, और दूसरे वीकेंड पर हर हालत में ये सक्सेसफुल फिल्म होने का टैग हासिल कर ही लेगी. इसी के साथ चलिए यहां जान लेते हैं कि द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 8वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

द केरल स्टोरी 2 27 फरवरी को थिएटर में रिलीज हुई थी और इसे क्रिटिक्स से मिले–जुले से नेगेटिव रिव्यू मिले. फिर इसका वर्ड ऑफ माउथ भी ऐसा ही रहा. बावजूद इसके इस फिल्म ने दर्शकों के एक खास हिस्से को अपनी ओर खींचा, जिससे कुछ लोगों की भीड़ जरूर बढ़ी और इसी के साथ इस फिल्म की पूरे हफ्ते में कमाई में भी इजाफा हुआ.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 75 लाख से खाता खोलने वाली इस फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 22.9 करोड़ रुपये रहा.वहीं रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को इस फिल्म ने 2.47 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म की 8 दिनों की कुल कमाई अब 25.37 करोड़ रुपये हो गई है.

द केरल स्टोरी 2 कथित तौर पर 28 करोड़ के बजट में बनी है. इस लागत के मुकाबले, इसने 25 करोड़ से ज्यादा कमा लिए हैं और इसी के साथ इसने बजट का 80 फीसदी से ज्यादा वसूल कर लिया है. पूरी लागत वसूलने और सेफ जोन में आने के लिए इसे बस 4 करोड़ कमाने की और जरूरत है. 30 करोड़ से ज्यादा के नेट लाइफटाइम कलेक्शन की उम्मीद के साथ, यह फिल्म पूरी तरह सक्सेसफुल होने और इंडियन बॉक्स ऑफिस पर प्लस रेटिंग पाने के लिए पूरी तरह तैयार है.

गौरतलब है कि अच्छे परफॉर्मेंस के बावजूद, सीक्वल का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 2023 की ओरिजिनल द केरला स्टोरी से काफी कम है. अपने पहले हफ्ते में, ओरिजिनल फिल्म का हिंदी वर्जन लगभग 81.14 करोड़ रुपये कमाकर 100 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया था. वहीं इसने अपनी तेलुगु–डब रिलीज से एक्स्ट्रा कमाई की, जिससे यह भारत में 241.74 करोड़ रुपये का लाइफटाइम नेट कलेक्शन करने की राह पर थी. ओवरसीज मार्केट से एक्स्ट्रा 15 करोड़ रुपये के साथ, फिल्म की दुनिया भर में ग्रॉस टोटल लगभग 302 करोड़ रुपये हो गई थी.

आस्था या सियासी खींचतान का भी केंद्र बन गया श्रीराम जानकी मंदिर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ नगर पंचायत स्थित ऐतिहासिक श्रीराम जानकी मंदिर इन दिनों आस्था के साथ–साथ सियासी खींचतान का भी केंद्र बन गया है। मंदिर के संचालन को लेकर लगातार बैठकों और अलग–अलग कमेटियों के गठन से नगर में चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थिति यह है कि बीते एक महीने के भीतर श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के तीन अलग–अलग अध्यक्षों का मनोनयन हो चुका है, जिससे नगरवासियों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार आरोप–प्रत्यारोप के बीच पुरानी कमेटी को कथित रूप से भंग करते हुए 15 दिसंबर 2025 को मंदिर परिसर में एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में शोहरतगढ़ कस्बा निवासी रविकांत अग्रहरि (रिक्की) को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया था। उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि खरमास समाप्त होने के बाद फरवरी माह में श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष सहित अन्य पदों पर चुनाव कराया जाएगा। इसी बीच कार्यवाहक अध्यक्ष पर यह आरोप भी लगा कि उन्होंने 10 फ़रवरी 2026 को गुप्त

तरीके से बैठक कर स्वयं ही पदाधिकारियों का चयन कर लिया। आरोप यह भी लगाया गया कि इस बैठक की नगर में कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई और न ही नगर के संभ्रांत लोगों को आमंत्रित किया गया। इसी मुद्दे को लेकर पुरानी कमेटी द्वारा 8 मार्च को पुनः बैठक बुलाई गई। इस बैठक में नंदू गौड़ को श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति का अध्यक्ष, राजेश अग्रहरी को उपाध्यक्ष तथा मनोज कुमार गुप्ता को महामंत्री घोषित किया गया। पुरानी कमेटी का यह भी कहना है कि कार्यवाहक अध्यक्ष पर लगाए गए आरोप आज तक सिद्ध नहीं हो पाए हैं। वहीं दूसरी ओर एक अन्य गुट ने सोमवार को मंदिर परिसर में अलग बैठक कर पदाधिकारियों का चयन कर लिया। इस गुट की ओर से राजेंद्र रुंगटा (नीलू रुंगटा) को अध्यक्ष, दिव्य प्रकाश (संजीव पांडेय) को उपाध्यक्ष तथा अजय कुमार कसौधन को महामंत्री बनाया गया है। एक ही मंदिर के लिए अलग–अलग बैठकों में पदाधिकारियों के चयन से नगरवासियों के बीच भ्रम की स्थिति बन गई है। लोग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि आखिर मंदिर सेवा समिति का वास्तविक अध्यक्ष कौन है और मंदिर के विकास से जुड़े निर्णय किसकी अगुवाई में लिए जाएंगे। नगर के कई लोगों का कहना है कि आस्था के इस केंद्र को राजनीतिक अखाड़ा बनाना उचित नहीं है। अब देखना यह होगा कि आखिर मंदिर संचालन की जिम्मेदारी किस कमेटी के हाथ में जाएगी और इस विवाद का समाधान किस प्रकार होता है।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष 13 मार्च को महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की करेंगी जन सुनवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी प्रोटोकाल ने अवगत कराया है कि राज्य महिला आयोग अध्यक्ष राज्य मंत्री स्तर प्राप्त डॉ0 बबिता सिंह चौहान का जनपद में सर्किट हाउस चुर्क में रात्रि में आगमन होगा, अध्यक्ष 13 मार्च 2026 को जिला महिला चिकित्सालय में कन्या जन्मवोत्सव कार्यक्रम में प्रातः 09:30 बजे प्रतिभाग करेगी, इसके पश्चात सर्किट हाउस में जनपद में महिलाओं की उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की जन सुनवाई करेंगीं, प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इसके पश्चात सर्किट हाउस सभागार में महिलाओं का सम्मान गोद भराई व अन्नप्रासन कार्यक्रम में प्रतिभग करेंगी इसके पश्चात वैष्णों माता मन्दिर डाला में दर्शन व पूजन करेगीं इसके पश्चात जिला करागार महिला बन्दीगृह का निरीक्षण करेगी तद्द पश्चात अपने गनतब्य को प्रस्थान करेगी।

सम्पादकीय

दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में जुड़ी उसकी मनी लश्चन्ड्रिंग की स्वतंत्र जांच मजबूत आध ाार रखती है। कानून के पंडित कयास लगा रहे हैं कि यदि सीबीआई मामले में निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा जाता है तो ईडी द्वारा अभियोजन की कानूनी वैधता पर नये सिरे से सवाल उठ सकते हैं...

ट्रायल कोर्ट के फैसले से आप को प्राणवायु

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक–साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है। दरअसल, इस फैसले से जांच में अत्यधिक दखलंदाजी को लेकर कई असहज करने वाले सवाल भी उठे हैं। खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है। यानी जांच में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है। दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में जुड़ी उसकी मनी लॉन्ड्रिंग की स्वतंत्र जांच मजबूत आधार रखती है। कानून के पंडित कयास लगा रहे हैं कि यदि सीबीआई मामले में निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा जाता है तो ईडी द्वारा अभियोजन की कानूनी वैधता पर नये सिरे से सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, निचली अदालत के फैसले ने केजरीवाल, सिसोदिया तथा आम आदमी पार्टी में नई ऊर्जा का संचार तो कर ही दिया है। निश्चित रूप से दिल्ली में सरकार बनाने वाली भाजपा के लिये यह स्थिति असहज करने वाली है।

जातिवाद की बातें छोड़ो मानवता से नाता जोड़ो

जातिवाद की बातें छोड़ो, मानवता से नाता जोड़ो। किसी भी समाज का विकास एकता के सूत्र में आबद्ध होकर ही होगा। दरअसल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) द्वारा हाल ही में जारी किए गए ष्उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना विनियम, 2026ष को लेकर वर्तमान में काफी विवाद है। सर्वोच्च न्यायालय ने 29 जनवरी, 2026 को इन नियमों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए अंतरिम रोक लगा दी है। द घ्सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश माननीय सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इन नियमों को ष्विभेदकारीष और घ्समाज को बांटने वालाष बताया। रेगुलेशन 3 सी में नए नियमों में श्जाति–आधारित भेदभावश की परिभाषा को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के खिलाफ होने वाले भेदभाव तक सीमित कर दिया गया था। इसमें घ्सामान्य वर्ग की अनदेखी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह नियम इस धारणा पर आधारित है कि भेदभाव केवल एक तरफा होता है। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि यह सामान्य वर्ग के छात्रों को संरक्षण से बाहर रखता है, जो कि समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन है। इस कानून में घ्दुरुपयोग की संभावना है। अदालत ने माना कि नियमों की शब्दावली घ्अस्पष्टष है और इसका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे घ्समाज में विभाजन उत्पन्न हो सकता है। माननीय सी जे आई जस्टिस सूर्यकांत जी ने टिप्पणी की कि आजादी के 75 साल बाद हम एक घ्जातिहीन समाजष की ओर बढ़ने के बजाय ऐसे नियम ला रहे हैं जो समाज को और अधिक विभाजित कर सकते हैं। फिलहाल पुराने नियम बहाल हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि जब तक इस मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक 2012 के पुराने यूजीसी नियम ही प्रभावी रहेंगे। इस मामले कीध्अगली सुनवाई 19 मार्च, 2026 को तय की गई है। जिसमें केंद्र सरकार और यूजीसी को अपना जवाब दाखिल करना है। देखिए।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

मुफ्त की रेवड़ियों से कर्ज के अंधकूप में देश

मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर रेवड़ियां बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुलेआम रेवड़ियां बांटना भी है...

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकडना सिखाओ और तुम उसे जिंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी–रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनीतिक दलों में मुफ्त की रेवड़ी बांटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निरूशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही हैं।

कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों को रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026–27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढकर 10.71 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई। मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए 'विदियाल पयानम' योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। इसके अलावा छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1782 करोड़ रुपए और डीजल सब्सिडी के लिए 1857 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13062 करोड़ रुपए मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5463 करोड़ रुपए का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढकर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपए कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपए कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़, आंध्र प्रदेश पर 4.85 लाख करोड़ रुपए का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़, केरल पर 4.29 लाख करोड़, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। वर्ष 2016–17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई। वोट बैंक की राजनीति के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए।

{ भारतीय राजनीति का दुखांत इतना ही नहीं है। वह इससे भी आगे जाता है। उसकी मां इस बात पर जिद्द किए बैठी हैं कि इसे हर हालत में भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। बस एक छलांग ही तो बची है। अब `विपक्ष के नेता' तक की सीढ़ी पर तो बैठे ही हैं। राहुल गांधी की भी अपनी जिद्द है। जब तक प्रधानमंत्री नहीं बना देते तब तक मेरे ये `शेर' हर जगह, मौके–बेमौके ऐसे ही घूमेंगे। लेकिन लगता है पानी सिर से ... }

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर दुनिया के सब देशों में चर्चा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर आजकल दुनिया के सब देशों में चर्चा चल रही है। कहा जा रहा है कि भविष्य इसी बुद्धिमता का बचा है। इसको लेकर चौथा विश्व सम्मेलन पिछले दिनों भारत की राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ था। इस सम्मेलन में दुनिया भर के वैज्ञानिक, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, विश्वविद्यालय, छात्र व अन्य लोग एकत्रित हुए थे। कई देशों के मुखिया इसमें भाग ले रहे थे। भारत के लिए यह सचमुच गौरव की बात थी कि इस वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करने का अवसर उसे मिल रहा था। लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसमें गड़बड़ करने की शायद पहले से ही योजना बना रखी थी। उसके दस नेताओं ने इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवा रखा था। इसके लिए यकीनन गुप्त रूप से तैयारी की गई होगी। किसी प्रेस से टी–शर्ट पर नरेंद्र मोदी की टीका टिप्पणी वाला चित्र छपवाया गया। उस टी शर्ट पर एक दूसरी साधारण कमीज पहन ली गई। पंजीकरण तो था ही। इस प्रकार कांग्रेस के ये दस नेता भारत मंडपम में दाखिल हो गए। कांग्रेस के इन नेताओं ने वहां विश्वभर के लोगों के सामने अपने शरीर के ऊपरी भाग के कपड़े उतार दिए। शुरू में तो वहां एकत्रित लोगों ने यही समझा कि ये भी शायद एआई से निर्मित भारत के रोबोट हैं जिनका प्रदर्शन किया जा रहा है। सम्मेलन के शुरू में ही गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एक कृत्रिम चीनी कुत्ते को अपना कह कर भद्द पिटवा ली थी। इसलिए नारे लगाते इन दस लोगों को देख कर शुरू में भ्रम होना ही था कि शायद भारत निर्मित रोबोट हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी समझा होगा कि भारत ने एआई के क्षेत्र में इतनी बड़ी छलांग लगा ली है कि वह आर्गेनिक एआई तक पहुंच गया है जहां रोबोट मनुष्यों की तरह सोचता भी है।

चेतना युक्त रोबोट। लेकिन फिर इन दस नेताओं ने अलग अलग मुद्राओं में नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। इनका कहना था कि ये वहां नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए गए थे। कुछ दिन बाद सोनिया गान्धी परिवार के राहुल गान्धी ने स्वयं खुलासा किया कि ये उसके 'शेर' थे। अब मामला साफ हो गया था कि यह सारी करतूत किसकी और क्यों थी। पहले चीनी कुत्ते ने भद्द पिटवाई और अब राहुल गान्धी के दस शेरों ने। प्रदर्शन करना कोई बुरी चीज नहीं है। यह समय समय पर करते रहना चाहिए। उससे पता चलता रहता है कि इस दिशा में भी देश कितनी प्रगति कर रहा है। इस काम के लिए भारत ने तो स्थान और सुविधा भी दे रखी है। दिल्ली में ही जहां राहुल गान्धी के दस शेर भारत मंडपम में घुस गए गए थे, सरकार ने जंतर मंतर पर प्रदर्शनों की सब प्रकार की 'सुविधापूर्ण प्रदर्शन स्थली' बना रखी है। लेकिन इन दस शेरों को शायद दुनिया के आगे नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करना था। परन्तु एक और प्रश्न भी पैदा होता है। यह विश्व सम्मेलन तो 'भारत' का था। यह सम्मेलन मोदी का नहीं था। यहां प्रदर्शन या विरोध का अर्थ था भारत का विरोध। यहां लगाए गए नारे परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ लगाए गए नारे ही थे। दरअसल जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी सामान्य बुद्धि से कार्य करती है तो वह कार्य तार्किक हो सकता है। लेकिन जब किसी व्यक्ति या संस्था का संचालन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से किया जाने लगे तो उसका विश्लेषण सामान्य पैमानों से नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए यदि प्रश्न पूछा जाए कि कृत्रिम बुद्धि से संचालित व्यक्ति कैसा व्यवहार कर सकता है, तो इसके कई उत्तर हो सकते हैं, मसलन वह आग में भी कूद सकता है, समुद्र में भी छलांग लगा सकता है, हवा में भी उड़ सकता है, भरी सभा में अपने कपड़े भी उतार सकता है, किसी को खंजर भी घोंप सकता है। यही कारण है कि आजकल जहां एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभों की चर्चा हो रही है वहीं उसके नुकसानों पर भी चर्चा होने लगी है। एआई की सीमा यह है कि उसका नियंत्रण किसी दूसरे के हाथ में होता है।

जैसे कठपुतलियों का नाच बगैरह। लेकिन कई बार गड़बड़ हो जाती है। विवाह में नाचने वाली कठपुतली फिजिक्स के सेमिनार में नाचने लगती है। यकीनन तब वहां शिरकत कर रहा कोई भी उसकी कला की प्रशंसा तो नहीं करेगा बल्कि कहेगा, इसको यहां से निकालो। यदि वही कठपुतली किसी विवाह स्थल पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगी तो वाहवाही बटोरेगी। कांग्रेस के ये दस बड़े नेता जो भारत मंडपम में विविध भाव भंगिमाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे यकीनन वाहवाही तो नहीं ही बटोर रहे थे। लेकिन वाहवाही बटोरना उनका शायद उद्देश्य भी नहीं था। उनका उद्देश्य तो भारत की भद्द पिटवाना था। कोई भी मौका हो, कोई भी स्थान हो, वे भारत की भद्द पिटवाने का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देंगे। अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि गलगोटिया विश्वविद्यालय के चीनी कुत्ते के प्रकरण की भी बाकायदा जांच की जाए, वहां भी कहीं इन 'भद्द पिटवाने वाली जुंडली' के तार तो नहीं जुड़े हुए। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने अति उत्साह में आकर यह हरकत की है, शायद वे अपने नेताओं की नजर में अपनी कीमत बढ़वाना चाहते होंगे। शायद ऐसा मान भी लिया गया होता। इस थ्योरी का खंडन स्वयं राहुल गान्धी ने ही समय रहते कर दिया। उसके कहने का भाव यह था कि इन्हें कोई साध ाारण कार्यकर्ता न समझ लें। ये तो उसके 'शेर' हैं। इस मरहले पर डा. नवजोत कौर सिद्धु का ध्यान आता है। सिद्धु परिवार का राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी के साथ बहुत अपनत्व वाला संबंध रहा है। अपने इन लंबे संबंधों का विश्लेषण करते हुए कुछ दिन पहले ही डा. सिद्धु ने राहुल गान्धी पर टिप्पणी करते हुए दुरूख प्रकट किया था कि वह 'पप्पू' के स्तर से ऊपर नहीं उठ पा रहा है। लेकिन भारतीय राजनीति का दुखान्त इतना ही नहीं है।

वह इससे भी आगे जाता है। उसकी मां इस बात पर जिद्द किए बैठी हैं कि इसे हर हालत में भारत का प्रध ाानमंत्री बनाना है। बस एक छलांग ही तो बची है। अब 'विपक्ष के नेता' तक की सीढ़ी पर तो बैठे ही हैं। राहुल गान्ध ी की भी अपनी जिद्द है। जब तक प्रधानमंत्री नहीं बना देते तब तक मेरे ये 'शेर' हर जगह, मौके बेमौके ऐसे ही घूमेंगे। लेकिन लगता है पानी सिर से गुजरने लगा है। कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने वाले इन दस नेताओं की पिटाई वहां की साधारण जनता ने कर दी। क्या कांग्रेस या राहुल गान्धी इस प्रकरण से कुछ सीखेंगे? जिन्होंने हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र के चुनावों से कुछ नहीं सीखा, वे अब अपनी ही इन रोबोटनुमा हरकतों से भला क्या सीख सकते हैं। अलबत्ता भारत के लोग इससे अवश्य सीख लेंगे कि यह कांग्रेस अब महात्मा गान्धी वाली कांग्रेस नहीं रही, जिस प्रकार हिमाचल वाली कांग्रेस राजा वीरभद्र वाली कांग्रेस नहीं रही।

पाकिस्तान में गहराया खाद्य संकट, सूखे और तनाव से गेहूं उत्पादन पर मंडराया गंभीर संकट

पाकिस्तान में इस साल गेहूं को लेकर चिंता बढ़ती दिख रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार देश को संभावित उत्पादन गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिकी कृषि विभाग की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का गेहूं उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20 से 22 लाख टन तक कम हो सकता है। यह अनुमान नीति–निर्माताओं के लिए चिंताजनक माना जा रहा है, क्योंकि गेहूं और उससे बने उत्पाद जैसे रोटी, नान और ब्रेड देश की बड़ी आबादी के दैनिक भोजन का आधार हैं।

गौरतलब है कि पाकिस्तान चावल और मक्का का बड़े पैमाने पर निर्यात करता है, लेकिन घरेलू उपभोग के लिए गेहूं पर अत्यधिक निर्भर है। ऐसे में उत्पादन में 20 लाख टन से अधिक की गिरावट खाद्य असुरक्षा को और बढ़ा सकती है।

स्थिति इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि देश इस समय अफगानिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और सीमावर्ती अस्थिरता से भी जूझ रहा है। रिपोर्टों के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में सुरक्षा हालात का असर कृषि गतिविधियों पर पड़ा है। बता दें कि ये क्षेत्र गेहूं उत्पादन के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

उत्पादन में गिरावट के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। सबसे बड़ा कारण लंबे समय तक चला सूखा और कम वर्षा है। पाकिस्तान मौसम विभाग के अनुसार 2025 की शुरुआत में वर्षा औसत से करीब 39 प्रतिशत कम रही। इसका असर खास तौर पर वर्षा–आधारित खेती वाले इलाकों में देखा गया। नतीजतन गेहूं की बुवाई का रकबा 10.37 मिलियन हेक्टेयर से घटकर करीब 9.1 मिलियन हेक्टेयर रह गया।

इसके अलावा सरकार द्वारा 2025द26 सीजन के लिए समर्थन मूल्य की घोषणा में देरी ने भी किसानों को असमंजस में डाला। कई किसानों ने अनिश्चितता के कारण कम बुवाई की, जिससे कुल उत्पादन प्रभावित हुआ। बढ़ती लागत और सीमित सरकारी सहायता ने भी खेती को कम लाभकारी बना दिया।

पंजाब, जिसे पाकिस्तान का "गेहूं कटोरा" कहा जाता है, इस संकट के केंद्र में है। यहां सिंचाई व्यवस्था पर जल संकट का दबाव साफ नजर आ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि सिंधु नदी तंत्र में जल प्रवाह में कमी और सीमित जल भंडारण क्षमता ने हालात और जटिल बना दिए हैं।

कुछ विश्लेषक 1960 के सिंधु जल संधि से जुड़े हालिया तनावों को भी अप्रत्यक्ष कारक मान रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक नदी जल डेटा साझा करने में बाधा और प्रवाह में लगभग 20 प्रतिशत कमी से जल प्रबंधन प्रभावित हुआ। इससे तरबेला और मंगला जैसे प्रमुख बांधों पर दबाव बढ़ा है।

इस बीच आटे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फरवरी 2026 के अंत तक 10 किलो आटे की कीमत कई शहरों में 890 से 1500 पाकिस्तानी रुपये के बीच रही, जबकि 20 किलो का बैग 1780 से 1810 रुपये तक बिक रहा है। प्रीमियम चक्की आटा 160 से 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इस बढ़ती महंगाई से आम उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि अगर उत्पादन में अनुमानित गिरावट वास्तविकता में बदलती है तो सरकार को आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है। हालांकि विदेशी मुद्रा भंडार और महंगाई की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह आसान विकल्प नहीं माना जा रहा है।

कुल मिलाकर सूखा, जल संकट, नीतिगत देरी और क्षेत्रीय अस्थिरता का संयुक्त असर पाकिस्तान के गेहूं उत्पादन पर पड़ रहा है। आने वाले महीनों में स्थिति किस दिशा में जाती है, यह बारिश, सरकारी हस्तक्षेप और क्षेत्रीय हालात पर निर्भर करेगा, लेकिन फिलहाल खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता गहरी होती दिख रही है।

उत्तर प्रदेश बनेगा देश का अगला फ्रेंच फ्राई केंद्र, जलवायु परिवर्तन से आलू की गुणवत्ता में सुधार

उत्तर प्रदेश अपनी बदलती जलवायु और बढ़ते तापमान के कारण आगामी वर्षों में देश के प्रमुख फ्रेंच फ्राई प्रसंस्करण केंद्र के रूप में उभर सकता है। गुजरात स्थित कृषि कारोबार कंपनी हाइफार्म ने राज्य की कृषि क्षमता में आ रहे इस सकारात्मक बदलाव पर भरोसा जताया है। हाइफार्म के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदरराजन एस ने पीटीआई– को दिए साक्षात्कार में कहा, ''पिछले छह–सात साल में उत्तर प्रदेश के आलू में 'ठोस तत्व' की मात्रा बढ़ी है। इसका मुख्य कारण क्षेत्र के तापमान में क्रमिक वृद्धि है।''

उत्तर प्रदेश बनेगा देश का अगला फ्रेंच फ्राई केंद्रः उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी तीन से पांच साल में उत्तर प्रदेश आलू प्रसंस्करण के क्षेत्र में एक नयी शक्ति बनकर उभरेगा। तकनीकी दृष्टि से, गुणवत्तापूर्ण फ्रेंच फ्राई के लिए आलू में शुष्क पदार्थ का अंश 20 से 24 प्रतिशत के बीच होना अनिवार्य है, जिससे वे कुरकुरे बने रहते हैं। उत्तर प्रदेश के आलू में यह स्तर पहले 17 प्रतिशत के आसपास था, जो अब बढ़कर 19–20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कंपनी की विस्तार योजनाओं पर चर्चा करते हुए सुंदरराजन ने कहा कि हाइफार्म का लक्ष्य वर्ष 2028 तक आलू की वार्षिक खरीद को चार लाख टन से बढ़ाकर 10 लाख टन करना है। इसके लिए कंपनी वर्ष 2028 में मध्य प्रदेश और 2030 में उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करेगी। 7,000 किसानों के साथ जुड़े हुए है

वर्तमान में यह कंपनी गुजरात के साबरकांठा और गांधीनगर में 7,000 किसानों के साथ संबद्ध है। कंपनी 'बीज से बाजार तक' मॉडल पर कार्य करती है और अपनी आवश्यकता का लगभग 90–95 प्रतिशत बीज स्वयं तैयार करती है। उन्होंने उद्योग की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान में भारतीय फ्रेंच फ्राई उद्योग मुख्य रूप से 'संताना' किस्म पर निर्भर है। विकल्प के तौर पर अब केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) की नयी किस्मों 'कुफरी फ्राईसोना' और 'कुफरी फ्राईओएम' को बढ़ावा दिया जा रहा है। सुंदरराजन ने इस क्षेत्र के संगठित विकास के लिए भारतीय आलू प्रसंस्करण संघ के गठन पर भी बल दिया। वर्ष 2025 में भारत से जमे हुए आलू का निर्यात 45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.51 लाख टन के स्तर को पार कर गया है।

प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है होली का पर्वः डॉ0 विकास यादव

बाराबंकी। स्थानीय राम सेवक यादव स्मारक इण्टर कालेज लखपेड़ाबाग के प्रांगण में प्राइमरी विंग द्वारा रंगो के पर्व होली का आयोजन धूम–धाम से किया गया। सुन्दर सुसज्जित वेश–भूषा में नन्हें मुन्ने बच्चों ने उल्लास और आनन्द के साथ होली का भरपूर आनन्द लिया। उन्होने होली को प्राकृतिक रंगों, फूलों, अबीर गुलाल के साथ मनाकर रासायनिक रंगों से मुक्त होली मनाने का संकल्प लिया और अप्राकृतिक रंग शरीर को नुकसान पहुँचाने वाले खतरनाक रंगों से होली न खेलने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्धक डॉ0 विकास यादव ने होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व परस्पर प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। यह हमें अपने मन की कलुषता, वैमनस्यता, भेद–भाव जैसी दूषित भावनाओं को होलिका के साथ दहन करके सामाजिक समरसता, एवं भाईचारे का संदेश देता है। होली के ये रंग निश्चित रूप से मन और माहौल में उल्लास भरते है। रंगो से ही जीवन में निखार आता है। ये रंग हमें खुशियों का संदेश देते है। हम कामना करते है कि हमारे इन नन्हे–मुन्ने छात्र–छात्राओं के जीवन में ये उल्लास और खुशियों के रंग सदैव बने रहें। यदि यह प्राकृतिक रंगों के साथ मनाया जाय तो इसका आनन्द व प्रभाव और अधिक बढ़ जाएगा। विद्यालय प्रधानाचार्य डा0 जगन्नाथ वर्मा ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमे रसायनिक रंगों से बचते हुए प्राकृतिक रंगों से प्रेम के साथ मिलजुल कर होली मनाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर के0बी0 सिंह, विनोद कुमार विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र वर्मा, शोभित यादव, सविता गुप्ता, रितु शर्मा, कृष्णा मिश्रा, सपना श्रीवास्तव, अंजुला, शैल शर्मा, सपना यादव, मीनू शर्मा, सहित समस्त अध्यापक व अध्यापिकाएं उपस्थित थे।

सिलेंडर के बितरण व्यवस्था को लेकर एसडीएम ने गैस एजेंसी का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।। कस्बे में गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं में फैली चिंताओं के बीच सोमवार को एसडीएम विवेकानंद मिश्रा ने उत्तमा सोनी एचपी गैस ग्रामीण वितरक केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गैस सिलेंडर के स्टॉक रजिस्टर तथा वितरण व्यवस्था का जायजा लिया और मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं से भी बातचीत की। एसडीएम विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र में गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि सोमवार को नियमानुसार 360 सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है और जितने सिलेंडर पहले आते थे, उतनी ही आपूर्ति अब भी हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोग बिना बुकिंग के सिलेंडर लेने पहुंचे थे, जिन्हें नियमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि बिना बुकिंग के सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। एसडीएम ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि गैस सिलेंडर और डीजल को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि दोनों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है, इसलिए घबराकर अधिक खरीदारी या भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि क्षेत्र में कथित रूप से युद्ध की आशंका को लेकर कुछ उपभोक्ताओं में घबराहट देखी जा रही है, जिसके चलते लोग जरूरत से अधिक सिलेंडर जमा करने की कोशिश कर रहे हैं। मांग अधिक और आपूर्ति कम होने की स्थिति के कारण कुछ स्थानों पर गैस की ब्लैक मार्केटिंग की भी चर्चा है। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से वितरण व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अव्यवस्था पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं प्रभारी पूर्ति निरीक्षक सतीश चन्द, सहयोगी सर्वेश कुमार, उत्तमा सोनी एचपी गैस ग्रामीण वितरक के प्रबंधक राजेश कुमार आर्य, अवधेश आर्य, सचिन तिवारी, भोला कनौजिया, प्रेम आर्य, मनीष, संजीव सिंह और रमेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए

हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज–धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं। मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025–26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं। मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग–अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं। बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन–फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

मोहम्मद अफजाल बने संघर्ष, हिम्मत और खुद्दारी की मिसाल

बाराबंकी। नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पीरबटावन मोहल्ले के रहने वाले मोहम्मद अफजाल की जिंदगी आज संघर्ष और खुद्दारी की मिसाल बन चुकी है। बीते करीब 15 सालों से वह फाइलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, लेकिन हालात के आगे झुकना उन्होंने कभी नहीं सीखा। उनकी कहानी सिर्फ बीमारी की नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और हौसले की भी कहानी है।

मोहम्मद अफजाल के पैर में अत्यधिक सूजन है। कई बार चलना भी उनके लिए चुनौती बन जाता है। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। वह अपने घर के पास ही एक छोटी सी किराने की दुकान चलाते हैं। उसी दुकान से अपने परिवार का भरण–पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। अफजाल रोजाना दर्द सहते हुए अपनी मोपेड से दुकान तक पहुंचते हैं और दिनभर बैठकर ग्राहकों को सामान देते हैं। यही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। अफजाल बताते हैं कि उन्होंने सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाया, लेकिन उन्हें कोई विशेष लाभ नहीं मिला। बड़े अस्पतालों में इलाज कराने के लिए उनके पास पर्याप्त धन नहीं है। उनका कहना है "मेरे पास इतना पैसा नहीं है कि बड़े अस्पताल में इलाज करा सकूं, लेकिन मैं किसी के सामने हाथ भी नहीं फैला सकता।"

बीमारी और आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। यही खुद्दारी उनकी सबसे बड़ी ताकत है। अफजाल की हालत देखकर स्थानीय लोग और समाजसेवी भी भावुक हो जाते हैं। यह एक ऐसी हकीकत है जो समाज और जनप्रतिनिधियों से संवेदनशीलता की मांग करती है। जरूरत है कि प्रशासन और संबंधित विभाग आगे आकर उनके बेहतर इलाज और आर्थिक सहायता की व्यवस्था करें, ताकि उन्हें इस असहनीय दर्द से राहत मिल सके।

मोहम्मद अफजाल की कहानी हमें यह सिखाती है कि इंसान हालात से नहीं, अपने हौसलों से बड़ा होता है। 15 साल से बीमारी की मार झेलते हुए भी उन्होंने मेहनत और आत्मसम्मान का दामन नहीं छोड़ा। यह मार्मिक कहानी समाज के सामने एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती हैकृक्या हम ऐसे संघर्षरत लोगों के साथ खड़े होने को तैयार हैं?

विकास कार्यों में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट स्थित सिद्धार्थ मीटिंग हॉल में सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में नगर निकायों के विकास कार्यों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद की नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में चल रही जनहित योजनाओं, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत जांच की गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों (ईओ) को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि नगर क्षेत्रों में साफ–सफाई और स्वच्छता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कूड़े का नियमित उठान और नालियों की सफाई सुनिश्चित की जाए। सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी या कूड़े के ढेर दिखने पर संबंधित जवाबदेही तय होगी।

निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि सभी प्रोजेक्ट्स निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे होने चाहिए। उन्होंने गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दें बैठक में आम जनता से जुड़ी सुविधाओं को लेकर जिलाधिकारी ने निम्नलिखित निर्देश जारी किए पेयजल एवं वाटर एटीएम सभी वार्डों में शुद्ध पेयजल सुनिश्चित हो। जहां वाटर एटीएम खराब हैं उन्हें तुरंत चालू करें और जहां नहीं लगे हैं, वहां नए एटीएम लगाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। स्ट्रीट लाइट खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल प्रभाव से ठीक कराया जाए। जल निकासी जलभराव की समस्या

निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता मिलने पर संबंधित अधिकारी और ठेकेदार के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन

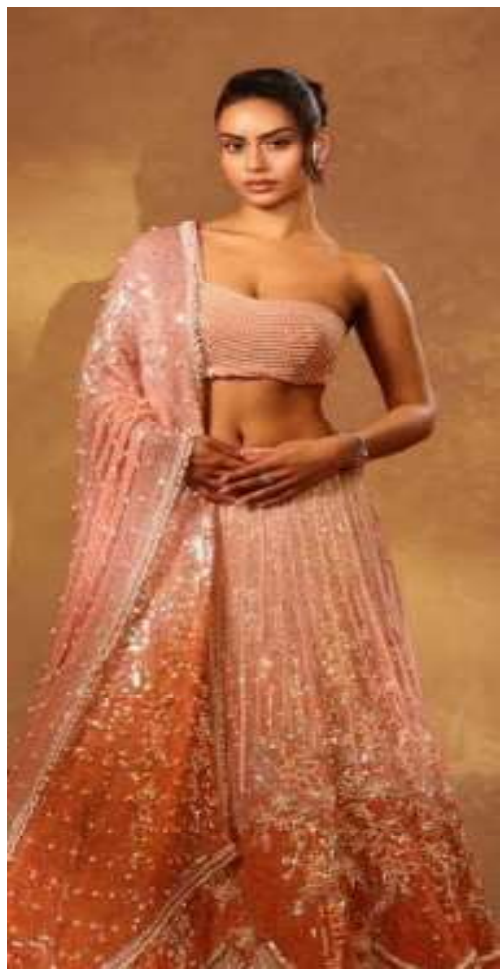

वाले क्षेत्रों में ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। बैठक के समापन पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। विकास कार्यों की गति बनाए रखने के लिए भविष्य में भी इसी तरह औचक समीक्षा की जाती रहेगी।

मुख्यमंत्री की माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा ने पुतला दहन कर किया विरोध प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को गैसड़ी के नि.विधायक शैलेश कुमार सिंह उर्फ शैलू के नेतृत्व में पचपेड़वा चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन कर और विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बिहार के मौलाना अब्दुल सलीम के खिलाफ प्रदर्शन किया गया और उनका पुतला फूंका। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के खिलाफ

की गई टिप्पणी अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसी अमर्यादित भाषा का समाज में कोई स्थान नहीं है और इस तरह के बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक प्रमुख मनोज तिवारी,पचपेड़वा नगर पंचायत अध्यक्ष रवि वर्मा,गैसड़ी चेयरमैन प्रिंस वर्मा,भाजपा नेता कामेश्वर मिश्रा, छोटकाऊं यादव, मंडल अध्यक्ष अमित जायसवाल, रामविलास विश्वकर्मा,अरुणदेव पाठक, बबलू चतुर्वेदी प्रधान, वीरेश सहित कई लोग शामिल रहे। भाजपा नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की अमर्यादित टिप्पणी करने की हिम्मत न कर सके।

परसीपुरवा चौराहे पर 'महतो जी हॉस्पिटल' पर उठे सवाल

BAMS डॉक्टर पर बड़े ऑपरेशन करने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच के सीएचसी मोतीपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मधवापुर के मजरा परसीपुरवा चौराहे पर हाल ही में खुले महतो जी हॉस्पिटल को लेकर क्षेत्र में गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगभग एक माह पूर्व शुरू हुए इस निजी अस्पताल में भोली–भाली ग्रामीण जनता से भारी रकम वसूली जा रही है और नियमों की अनदेखी कर इलाज किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार अस्पताल में बैठे चिकित्सक के पास ठ।डे (आयुर्वेद) की डिग्री बताई जा रही है, जबकि अस्पताल में बड़े–बड़े ऑपरेशन करने के दावे किए जा रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि ठ।डे डिग्री धारक चिकित्सक मुख्य रूप से आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज कर सकते हैं, ऐसे में बड़े ऑपरेशन के दावे कई सवाल खड़े कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अस्पताल के मेडिकल स्टोर में अंग्रेजी दवाओं का भी बड़ा स्टॉक रखा गया है। इसे लेकर ग्रामीणों में आशंका है कि कहीं नियमों की अनदेखी कर अस्पताल का संचालन तो नहीं किया जा रहा। इसी बीच अस्पताल में कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा यह भी दावा किया गया कि सीएमओ से बात हो चुकी है और एक माह के भीतर अस्पताल का पंजीकरण करा लिया जाएगा। हालांकि अभी तक अस्पताल के रजिस्ट्रेशन को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अब बड़ा सवाल यह है कि यदि अस्पताल बिना पूर्ण मानकों और पंजीकरण के संचालित हो रहा है तो स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कार्रवाई करने से क्यों बच रहे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि कहीं यह मामला कमीशन या मासिक वसूली से तो नहीं जुड़ा है। पूरा मामला परसीपुरवा चौराहे पर संचालित महतो जी हॉस्पिटल का बताया जा रहा है। स्थानीय लोग इस मामले में स्वास्थ्य विभाग से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सुजौली में सड़क निर्माण को लेकर युवाओं का अल्टीमेटम, नहीं बना रास्ता तो होगा बड़ा आंदोलन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तहसील नानपारा के सुजौली क्षेत्र में लंबे समय से जर्जर पड़ी सड़क को लेकर अब स्थानीय युवाओं का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है। क्षेत्र के युवाओं ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं कराया गया तो बड़े आंदोलन की रणनीति अपनाई जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि सुजौली क्षेत्र की सड़क लंबे समय से खराब हालत में है। जगह–जगह गड्ढे होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के समय स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जिससे आवागमन लगभग बाधित हो जाता है। युवाओं ने कहा कि कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़क की समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र के युवाओं ने बैठक कर चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ तो सुजौली क्षेत्र के लोग सड़क पर उतरकर धरना–प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके। ग्रामीणों की मांगः सुजौली क्षेत्र की जर्जर सड़क का जल्द निर्माण कराया जाए, आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान हो, प्रशासन मौके का निरीक्षण कर तत्काल कार्रवाई करे ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्र में बड़ा जनआंदोलन खड़ा हो सकता है।

संत को बंधक बनाकर पीटने का आरोप, आश्रम में आगजनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के बौंडी थाना क्षेत्र में एक संत के साथ मारपीट और आश्रम में आगजनी का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि होली के दिन कुछ लोगों ने संत को बंधक बनाकर लाठी–डंडों से पीटा और बाद में आश्रम में आग लगा दी। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न किए जाने से क्षेत्र में आक्रोश और चर्चा का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार बश्नोटी शंकरपुर स्थित भूतहा ताल के पास स्थित आश्रम में यह घटना हुई। आरोप है कि नशे में धुत कुछ लोग आश्रम पहुंचे और वहां मौजूद महंत घनश्याम दास को जबरन अहिरनपुरवा गांव ले जाकर बंधक बना लिया। वहां उनकी लाठी–डंडों से जमकर पिटाई की गई। बताया जा रहा है कि महंत को खोजते हुए उनके शिष्य विजय पाल भी मौके पर पहुंचे, जिनके साथ भी मारपीट की गई। किसी तरह दोनों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना के बाद आश्रम में आगजनी भी की गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। लेकिन आरोप है कि पुलिस ने अब तक न तो पीड़ितों का मेडिकल कराया और न ही मामले में एफआईआर दर्ज की।स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद पुलिस की कार्रवाई न होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों और संत समाज ने मामले में जल्द कार्रवाई और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

चार दिन बाद भी नहीं दर्ज हुई FIR, पुलिस पर मामले को दबाने का आरोप

वंडर बॉक्स से खेल–खेल में सीखेंगे बाल वाटिका के बच्चे :बीएसए आशीष कुमार सिंह

दो दिवसीय प्रशिक्षण में एआरपी व सुपरवाइजर को दी जा रही विशेष ट्रेनिंग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए "वंडर बॉक्स" प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर बीएसए आशीष कुमार सिंह ने बताया कि वंडर बॉक्स के माध्यम से अब बाल वाटिका के बच्चों को भाषा और अंकज्ञान सिखाना और आसान होगा। इस बॉक्स में मौजूद विभिन्न शैक्षणिक किटों की मदद से बच्चे मनोरंजन के साथ–साथ सुगमता से सीख सकेंगे। उन्होंने बताया कि

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वंडर बॉक्स में उपलब्ध किटों के उपयोग और उनके शैक्षणिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 और 10 मार्च को आयोजित किया जा रहा है। राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी ट्रेनर अपने–अपने ब्लॉकों में जाकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भी प्रशिक्षित करेंगे, ताकि बाल वाटिका के बच्चों को नई शिक्षण पद्धति का लाभ मिल सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला समन्वयक प्रशिक्षण प्रदीप कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान एसआरजी सुधीर मेहरोत्रा तथा राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर राजेश कुमार मिश्र ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के एआरपी सुनील पाण्डेय, राज कुमार पाण्डेय, सुनील कुमार, कुमार अभय, श्रवण मिश्रा, श्वेता वर्मा और रसल रघुवंशी सहित बाल विकास परियोजना विभाग की सुपरवाइजर रीतू, वंदना और सपना मौर्या ने प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री की माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन,पुतला दहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की माता के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया और पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। भाजपा जिला अध्यक्ष रवि कुमार मिश्र के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय पर एकत्रित हुए। इसके बाद सभी कार्यकर्ता जुलूस के रूप में शहर के वीर विनय चौराहे पहुंचे,जहां नारेबाजी करते हुए बिहार के मौलाना अब्दुल सलीम के खिलाफ प्रदर्शन किया गया और उनका पुतला फूंका गया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के खिलाफ की गई टिप्पणी अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि ऐसी अमर्यादित भाषा का समाज में कोई स्थान नहीं है और इस तरह के बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल प्रदेश के मुखिया हैं बल्कि गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं।

उनकी माता के खिलाफ की गई टिप्पणी पूरे समाज और प्रदेश की भावनाओं को आहत करने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इस तरह की अभद्र और अनर्गल टिप्पणी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की अमर्यादित टिप्पणी करने की हिम्मत न कर सके।सभी राजनैतिक दलों ने इस कृत्य की निन्दा नही किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया और चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उक्त अवसर पर तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल,गैसड़ी के निवर्तमान विधायक शैलेष कुमार सिंह शैलू,पूर्व अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह गुड्डू,ब्लाक प्रमुख महिपाल चौधरी डीपी सिंह बैस,वरुण सिंह मोनू,डा अजय सिंह पिंकू,अवधेश तिवारी तरुण, संदीप वर्मा, अवधेश पाण्डेय, प्रभात सिंह शैलेंद्र सिंह संदीप उपाध्याय,राकेश गुप्ता राकेश कश्यप अमन बंसल रजनीश पांडे आदित्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्रवाल सभा, बलरामपुर द्वारा होली मिलन समारोह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अग्रवाल सभा, बलरामपुर द्वारा होली मिलन समारोह कार्यक्रम भव्य रूप से श्री महाराजा अग्रसेन मंदिर परिसर में मनाया गया। प्रातः काल में आगामी दो वर्षों के लिए नवीन कार्यकारिणी गठन हेतु चुनाव संबंधित नामांकन प्रक्रिया प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक चुनाव अधिकारी सभा अध्यक्ष सौम्य अग्रवाल के सानिध्य में संपन्न हुई। सायं 5:00 बजे से होली मिलन एवं सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था रही। आगंतुक लोग एक दूसरे से गले मिलकर होली की बधाइयां देते हुए सूक्ष्म जलपान एवं ठंडाई का आनंद लेते रहे। तत्पश्चात सायं 6:00 बजे से अग्रवाल सभा, बलरामपुर की आम सभा की बैठक की गई जिसमें आगामी दो वर्षों के लिए गठित कार्यकारिणी के सदस्यों के निर्विरोध चयन की सूचना दी गई। सभी पदों पर एकल नामांकन होने के कारण कोई चुनाव कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष सौम्य अग्रवाल, उपाध्यक्ष देवीकांत अग्रवाल भगवतीगंज एवं अजय कुमार अग्रवाल बलरामपुर, सचिव विनोद कुमार बंसल, निरीक्षक मोहनलाल अग्रवाल और सुशील कुमार हमीरवासिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, भवन अध्यक्ष साकेत कुमार तुलस्यान, भंडार अध्यक्ष शरद अग्रवाल, जनसंपर्क अधिकारी आलोक अग्रवाल निर्वाचित घोषित किए गए। सदस्यों में अशोक कुमार गुप्ता, निर्मल कुमार अग्रवाल, मनीष कुमार तुलस्यान, पवन अग्रवाल, अरुण केडिया, सुनील अग्रवाल, अभिषेक सिंघल सहित अन्य बन्धु उपस्थित रहे। इसके पश्चात सायं 7:00 बजे से लखनऊ से सी. टी. सी. एस. फैमिली के कलाकारों द्वारा विभिन्न होली गीतों और अन्य गीतों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को झूमने पर मजबूर कर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान एंकर, कॉमेडियन, मिमिक्री आर्टिस्ट विजय गुप्ता द्वारा दर्शकों के साथ मनोरंजन सवाल जवाब और हंसी ठहाकों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन के पूर्व फूलों वाली प्रसिद्ध होली खेली गई जिसमें उपस्थित जनसमूह भी बराबर से सम्मिलित रहा। सभी कलाकारों को सर्टिफिकेट, मोमेंटो एवं गिफ्ट हैंपर देकर सम्मानित किया गया। सी. टी. सी. एस. के फाउंडर अध्यक्ष मनोज कुमार, ऑफिशियल फोटोग्राफर निखिल बालूजा एवं कोरियोग्राफर दिव्या शुक्ला को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अंत में रात्रि भोज के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

अखिल भारतीय ब्राह्मण जन कल्याण समिति के तत्वाधान में

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में अखिल भारतीय ब्राह्मण जन कल्याण समिति के तत्वाधान में समय माता मंदिर तथा निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर परिसर में रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोगों ने भाग लेकर एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे व एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद चंद्रभान मणि तिवारी, मुख्य अतिथि पूर्व सांसद दद्दन मिश्र, महंत गेल्हापुर बृजानंद जी महाराज, संरक्षक सेतु बंधु त्रिपाठी, सभासद संजय मिश्रा, समिति के जिलाध्यक्ष रामनरेश त्रिपाठी तथा प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर भगवान परशुराम और आचार्य चाणक्य के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर

अपने विचार व्यक्त किए। कई वक्ताओं ने यूजीसी बिल के मुद्दे का उल्लेख करते हुए समाज से इसके समर्थन की अपील की, जिस पर उपस्थित लोगों ने समर्थन जताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद चंद्रभान मणि तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण समाज के लोगों को अपनी पहचान और परंपराओं को बनाए रखते हुए संगठित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के हितों के लिए बिना किसी का विरोध किए एकजुट होकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। महंत गेल्हापुर बृजानंद जी महाराज ने कहा कि समाज में समरसता और सद्भाव के भाव से कार्य करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने उपस्थित लोगों को तिलक लगाकर होली की बधाई दी और समाज में एकता बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर संजय मिश्रा, नन्दलाल तिवारी, संदीप मिश्रा, कमलेश त्रिपाठी, अखिलेश्वर प्रसाद तिवारी, अम्बरीष शुक्ल, प्रवीण तिवारी, हर्षवर्धन दीक्षित, पम्मी पाण्डेय, शिवांशु शुक्ल, संजय शर्मा, जयप्रकाश पाण्डेय, ओमप्रकाश मिश्र सहित दर्जनों लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तुलसीष दुबे ने किया। अंत में जिलाध्यक्ष रामनरेश त्रिपाठी ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि निर्माणाधीन भगवान परशुराम मंदिर का प्रथम तल बनकर तैयार हो चुका है और आगामी अप्रैल माह में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए समाज के सभी लोगों के सहयोग की आवश्यकता है।

होली के दिन डीजे बजाने के विवाद में मारा पीटा: एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। होली के दिन डीजे बजाने के दौरान मना करने पर मारपीट, घायल कर देने का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में स्थानीय पुलिस द्वारा दोषियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई न होने पर रूधौली थाना क्षेत्र के मुनियाव निवासी विनय कुमार पुत्र स्वर्गीय भगवानदीन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में विनय कुमार ने कहा है कि होली के दिन 4 मार्च को उसके घर के निकट डीजे बज रहा था। इन्द्रजीत व अजीत पुत्रगण राम सुरेश नशे के हालात में वहां पर नाच रहे थे तथा बार–बार गाली गलौज कर रहे थे उसी वक्त वहां से नाचते नाचते इन्द्रजीत व अजीत उसके घर के सामने आ गये तथा धूल मिट्टी उठा कर अंगद के उपर फेकने लगे। अंगद के द्वारा मना करने पर इन्द्रजीत व अजीत अंगद को पकड़ लिये तथा उनका कमीज फाड दिये और मारने पीटने लगे। जिसके बाद उसकी पुत्री अंशिका विनय के भाई दीपक की पुत्री सुमन वहां पहुची और बीच बचाव करने लगी। उसी वक्त अजीत व इन्द्रजीत व अजीत की पत्नी लीला देवी व अजीत का पुत्र अमित बैट डण्डा लेकर मौके पर पहुंच गये तथा अंगद, सुमन व अंशिका को बेरहमी से बैट डण्डा से मारने लगे जिससे सुमन व अंशिका के सर फट गया तथा पूरा चहेरा लहूलुहान हो गया। सुमन व अंशिका के शोर मचाने पर सुनीता देवी आदि बीच बचाव करने लगे तो उन लोगों ने उसकी पत्नी के उपर भी बैट डण्डा लेकर टूट पडे। गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो इन्द्रजीत व अजीत पुत्रगण रामसुरेश व लीला देवी पत्नी अजीत, अमित पुत्र अजीत वहा से जान मारने की धमकी देते हुए तथा फर्जी एस०टी०एस०सी० का मुकदमा भी दर्ज कराने की धमकी देते हुए वहा से भाग गये। घटना के बाद डायल 112 मौके पर पहुंची और उसने सम्बन्धित थाने मे जाकर घटना के सम्बन्ध में तहरीर दिया किन्तु रूधौली थाना के द्वारा न तो घायलों का डाक्टरी मुआयना कराया गया न तो दोषियों के विरूद्ध मुकदमा ही पंजीकृत हुआ। इससे उसका परिवार भयभीत है। विनय कुमार ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की मांग किया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करना तथा उनके योगदान को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एनआरएलएम विभाग, गृह विभाग (पुलिस), बाल विकास विभाग तथा महिला कल्याण विभाग से चयनित 5दृ5 उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का लखनऊ से सीधा सजीव प्रसारण भी उपस्थित जनसमूह को दिखाया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री जी के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उनकी सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक भूपेश चौबे उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, जिला भाजपा महिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह, प्रमिला त्रिपाठी तथा मीनू चौबे ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। सभी अतिथियों ने अपने–अपने संबोधन में

महिलाओं की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है और सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से चयनित महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रकार का सम्मान उन्हें समाज सेवा और अपने कार्यक्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, खंड शिक्षा अधिकारी राबर्ट्सगंज महेंद्र कुमार मौर्य, सीडीपीओ शहर हरिमोहन तथा वन स्टॉप सेंटर की दीपिका सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के संदेश के साथ किया गया।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

डाला/सोनभद्र। विंध्याचल मंडल के अटल आवासीय विद्यालय गुरमुरा में प्रवेश परीक्षा हेतू रविवार को कक्षा छ एवं कक्षा नौ की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी प्रवेश परीक्षा में 46 छात्र एवं छात्राएं अनुपस्थिति रहे। अटल आवासीय विद्यालय गुरमुरा के प्रधानाचार्य विनोद कुमार मंडल ने बताया कि सोनभद्र जनपद के परीक्षार्थीयों का परीक्षा केंद्र राजा शारदा महेश इंटर कालेज में कक्षा–6 में 233 एवं कक्षा–9 से 210 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए । मिर्जापुर जनपद के परीक्षार्थियों का परीक्षा केन्द्र एस.जे. इन्टर कालेज मिर्जापुर में कक्षा–6 के 251 एवं कक्षा–9 के 219 और कक्षा– 9 के 74 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। भदोही जनपद के परीक्षार्थियों हेतु विभूतिनारायण राजकीय इण्टर कालेज भदोही को केन्द्र बनाया गया था जिसमें कक्षा 6 के 76 छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सोनभद्र जनपद के 31 विद्यार्थी ,भदोही जनपद के 10 विद्यार्थी एवं मिर्जापुर जनपद के 5 विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

फ्रॉड की 75,000/– की सम्पूर्ण धनराशि वापस करायी गयी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आवेदक बच्चा लाल बंजारा पुत्र केशुराम निवासी ग्राम खेड़ा बांगरडे थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र के साथ 26.02.2026 को अज्ञात साइबर ठगों द्वारा घ75,000/– की धनराशि का फ्रॉड कर लिया गया था। इस संबंध में आवेदक द्वारा तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा साइबर क्राइम पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी गयी थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश राय के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष म्योरपुर श्री रामदरश राम के कुशल नेतृत्व में थाना म्योरपुर की साइबर टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए छब्ब्ट पोर्टल का अवलोकन किया गया। साइबर टीम द्वारा आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करते हुए संबंधित बैंक खातों में फ्रॉड की धनराशि 'घ75,000/–' को होल्ड कराया गया तथा संबंधित बैंक शाखा से ई–मेल के माध्यम से पत्राचार कर उक्त धनराशि को सफलतापूर्वक आवेदक के मूल बैंक खाते में वापस कराया गया। अपनी धनराशि वापस प्राप्त होने पर आवेदक द्वारा थाना म्योरपुर की साइबर टीम की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी।

12 घंटे के भीतर चोरी की घटना का अनावरण, एक अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार' के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय' के निकट पर्यवेक्षण में थाना अनपरा पुलिस द्वारा अंग्रेजी शराब की दुकान में हुई चोरी की घटना का 12 घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। –' काशी मोड़ के पास स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान से स्वैप मशीन, नगद धनराशि व शराब की बोतल चोरी हो गई थी, जिसमें लगभग घ1,30,000/– मूल्य के सामान की चोरी होना बताया गया था। इस संबंध में थाना अनपरा पर मु0अ0सं0 47/2026 धारा 305(), 331(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। 08.03.2026 को उ0नि0 संतोष कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर हाथी पार्क, अनपरा कॉलोनी के पास से अभियुक्त वीरेन्द्र प्रताप चौहान पुत्र स्व0 गामा प्रसाद निवासी अनपरा कॉलोनी थाना अनपरा जनपद सोनभद्र स्थायी पता दृ गोपालगंज, बिहार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि वह 'अनपरा तापीय परियोजना' में कार्यरत है तथा उसका मासिक वेतन लगभग 'घ42,000/–' है, किंतु वर्तमान में वह 'निलंबित' चल रहा है। अभियुक्त ने यह भी बताया कि 'नशे की लत के कारण उसका अधिकांश पैसा खर्च हो जाता है तथा उस पर काफी कर्ज हो गया है,' जिसके चलते नशा करने के लिए उसने उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया। उसने बताया कि 'चोरी की गई शराब को वह पी चुका है तथा कुछ नगद धनराशि भी खर्च कर चुका है।'

सोते–सोते युवक की मौत, सुबह साथियों ने जगाया तो नहीं उठा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में सोते–सोते मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक रविवार की रात रोज की तरह भोजन कर सहकर्मियों के साथ सोया था, लेकिन सुबह जब साथी कर्मचारी जागे तो वह नहीं उठा। काफी प्रयास के बाद भी जब युवक नहीं जगा तो उसे एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान जहीर पुत्र गुल मोहम्मद (22) निवासी भिक्खमपुर, थाना रामपुर बरकोनिया के रूप में हुई है, जो चोपन नगर पंचायत कार्यालय मोड़ के पास एक दुकान पर काम करता था। रविवार की रात भी वह काम खत्म कर अन्य साथियों के साथ सामान्य रूप से सोया था। सोमवार की सुबह करीब नौ बजे जब बाकी कर्मचारी उठे तो जहीर को जगाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह नहीं उठा। इसके बाद सरकारी एम्बुलेंस की मदद से उसे सीएचसी चोपन ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर चोपन पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक तौर पर हृदय गति रुकने से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के स्पष्ट कारणों का पता चल सकेगा। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। इतनी कम उम्र में अचानक हुई मौत से हर कोई हैरान है।

ब्यूटीशियन कोर्स का प्रमाण पत्र वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड डाला सीमेंट वर्क्स के इकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर के दिशा निर्देशन में सीएसआर कार्यक्रमों के तहत सोमवार को स्किल ट्रेनिंग सेंटर पर ब्यूटीशियन कोर्स का प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विंध्या लेडिज क्लब की अध्यक्षा श्रीमति प्रिया हिवरेकर ने बताया की अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड डाला द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सिलाई ,ब्यूटीशियन ,कंप्यूटर आदि जैसे प्रशिक्षण का लाभ डाला एवं आस पास के क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं को दिया जा रहा है ।सी एस आर प्रमुख निशा तिर्की ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारा प्रयास महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है इस क्रम में हमने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर त्रैमासिक माह के ब्यूटीशियन कोर्स का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया है ।भविष्य में सी एस आर के अंतर्गत सतत् आजीविका विकास कार्यक्रमों को डाला एवंआसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू करेंगे । इस दौरान प्राची जैन, एडमीन प्रमुख पियुश शुक्ला, एच आर प्रमुख विजया लक्ष्मी शुक्ला, डॉ० आयुशी, पूनम जी ब्यूटीशियन शिक्षक अनुष्का पाल आंचल के साथ–साथ मनी तिवारी, राजवंती, सीमा, उर्मिला, फूलमती, पुष्पा , सैमून मौजूद रहे। संचालन में सी निशां, सोनी देवी आदि लोग एस आर अधिकारी रोहित श्रीवास्तव ने किया।

अनियंत्रित आटो पलटी आटो सवार घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत नौटोलिया के समीप अनियंत्रित आटो पलटने से आटो सवार चार लोग घायल हो गए सभी घायलों को उपचार हेतु चोपन सीएचसी ले जाया गया। घटना के संबध में बताया गया कि सोमवार की सुबह लगभग सात बजे

दीलीप पाठक उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्र सरवन पाठक, रामबाबू प्रसाद शाह पुत्र राधेश्याम प्रसाद शाह, बिरेंद्र कुमार पुत्र स्व शिवप्रसाद, सभी निवासीगण रमना गढ़वा झारखंड के बताए गए। घायलों में दीलीप पाठक का दाहिना पैर टूट जान बताया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और तत्काल डायल 108 ऐम्बुलेंस को सूचना दी गई सूचना के घंटों बाद मौके पर पहुंची ऐम्बुलेंस से गंभीर रूप से घायल दिलिप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपन ले जाया गया। तेलगुडवा से कोन की ओर जा रही आटो नौटोलिया पुलिया के पास पहुंचते ही अनियंत्रित होकर खाईं में पलट गई। आटो सवार सभी बनारस से पूरानी आटो खरीद कर रमना गढ़वा झारखंड जा रहे थे।घटना में आटो चालक अनुज कुमार पुत्र सोमनाथ,

जी वी राम जी कर्मियों ने बकाया भुगतान को ले कर खंड विकास अधिकारी को सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर विकास खंड मे कार्यरत जी वी राम जी से जुड़े कर्मियों ने सोमवार को खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार मिश्र को ज्ञापन सौप पिछले साल माह जुलाई से बकाया मानदेय,ई पी एफ की देयता का भुगतान शीघ्र कराये जाने का अनुरोध किया है ब्लॉक मे कार्यरत अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, लेखा सहायक, टी. ए., पंचायत मित्रो का मानदेय जुलाई से अब तक नहीं मिला है, इस बीच दीपावली, होली जैसे त्योहार भी गुजर गए बावजूद इसके इनका भुगतान नहीं किया गया, जिस कारण आर्थिक समस्याओ से जूझ रहे कर्मियों ने कई बार सांकेतिक प्रदर्शन भी किये, ग्रामीण विकास की रीढ़ माने जाने वाले कर्मी अपनी खुद की आर्थिक समस्या से जूझ रहे है साथ ही श्रमिकों व आपूर्तिकर्ताओ के भुगतान भी गत कई माह से नहीं होने से श्रमिकों मे भी आक्रोश व्याप्त है जी वी राम जी कर्मचारी संघ ने शीघ्र भुगतान कराये जाने की मांग की है और चेतावनी दी है कि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो हम लोग कार्य बहिष्कार के लिए बाध्य होंगे मौके पर गंगा राम, चंदन, सुरेंद्र कुमार, सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाड़पाथर के जंगल में अधेड़ महिला का शव मिलने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के खाड़पाथर के जंगल में सोमवार की सुबह एक अधेड़ महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जंगल में शव पड़े होने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पाकर पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने खाड़पाथर के सभासद प्रतिनिधि शंभू खरवार को बुलाकर शव की पहचान कराई। उन्होंने मृत महिला की शिनाख्त शुकवरिया देवी (लगभग 42 वर्ष) पत्नी स्वर्गीय राजेंद्र खरवार, निवासी खाड़पाथर के रूप में की। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी कुंवर सिंह और क्राइम इंस्पेक्टर हरेंद्र यादव भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतका के परिजनों से भी पूछताछ की। मृतका के पुत्र राकेश से जानकारी लेते हुए पुलिस ने पूरे घटनाक्रम के बारे में पूछताछ की।परिजनों के अनुसार शुकवरिया देवी रविवार की रात करीब 10 बजे किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गई थीं। देर रात तक जब वह घर वापस नहीं लौटीं तो परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। सोमवार की सुबह जंगल में उनका शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चौकी प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

एनटीपीसी रिहंद में उत्तरी क्षेत्र अंतर क्षेत्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद में उत्तरी क्षेत्र–अंतर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026 के अंतर्गत 07 से 12 मार्च 2026 तक फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन सोनशक्ति स्टेडियम में किया गया है।

इस प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण)प्रणय कुमार नायक नें पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।टूर्नामेंट में उत्तरी क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाएँ दृ टांडा, ऊंचाहार, दादरी, विंध्याचल, सिंगरौली, मेजा, झज्जर तथा रिहंद की टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं।

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नायक ने सभी टीमों के कप्तानों एवं खिलाड़ियों का सम्मान किया तथा उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर मशाल मार्च का आयोजन किया गया जिसके पश्चात टूर्नामेंट ट्रॉफी का अनावरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय विद्यालय,डीएवी तथा सेंट जोसेफ विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।अपने संबोधन में मुख्य अतिथि प्रणय कुमार नायक ने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होते हैं बल्कि खिलाड़ियों में टीम भावना,अनुशासन और निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास करते हैं।उन्होंने कहा कि जब विभिन्न क्षेत्रों की टीमें ऐसे खेल आयोजनों में एक साथ भाग लेती हैं तो इससे आपसी समन्वय भाईचारा और मैत्रीपूर्ण संबंध भी मजबूत होते हैं।

समाधान दिवस सम्भव का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद , की अध्यक्षता में जनसुनवाई(सम्भव दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई सम्भव दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 0, नगर पंचायत चोपन में 0, नगर पंचायत ओबर में 0, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 1, समस्त निकायों में कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

शनाया कपूर की नई फिल्म को नाम मिला जैकब कार्डोसो, रिलीज तारीख पर आया अपडेट

शनाया कपूर ने अपनी हालिया रिलीज एडवेंचर–थ्रिलर फिल्म तू या मैं से सुर्खियां बटोरी थीं। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव मुख्य किरदार में थे, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में यह बुरी तरह से नाकामयाब साबित हुई। इस बीच, शनाया अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं जिसके शीर्षक का खुलासा आखिरकार हो गया है। फिल्म के निर्माता विकेश भूटानी हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर शीर्षक का खुलासा कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूटानी ने बातचीत के दौरान बताया है कि आगामी कॉमेडी फिल्म का शीर्षक जैकब कार्डोसो रखा गया है। शनाया के अलावा, फिल्म में अभय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें मुंज्या से लोकप्रियता मिली थी। शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित जैकब कार्डोसो की कहानी कथित तौर पर 1987 के समय पर आधारित है। भूटानी ने बताया, यह गोवा में बनी खूबसूरत फिल्म है, उस समय की कहानी है जब गोवा राज्य बन रहा था। फिल्म जैकब कार्डोसो की शूटिंग मार्च, 2025 में शुरू हुई थी जो 2 महीने में पूरी हो गई। जल्द ही इसकी रिलीज तारीख जारी होगी। आंखों की गुस्ताखियां और तू या मैं के बाद, शनाया की यह तीसरी फिल्म है, जिससे उनके फैंस को काफी उम्मीदें हैं। वहीं अभय की बात करें, तो वह आगामी फिल्म लाइकी लाइका में दिखाई देंगी जिसमें उनके साथ राशा थडानी मुख्य किरदार में दिखेंगी। फिल्म 2026 की गर्मियों में सिनेमाघरों का रुख करेगी।

बैंगन से बनाकर खाएं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, घर में सभी को आएंगे पसंद

बैंगन एक ऐसी सब्जी है, जिसे ज्यादातर लोग पसंद करते हैं। आमतौर पर भारतीय खान–पान में इसे सब्जी के रूप में ही पकाया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इससे कई अनोखे और स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको बैंगन से बनाए जाने वाले कुछ अनोखे व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। इन व्यंजनों का स्वाद आपके खाने के अनुभव को खास बना देगा।

बैंगन का भरता

बैंगन का भरता एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट व्यंजन है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को अच्छे से भून लें, फिर उसे छीलकर मसल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले डालकर भूनें। इसके बाद इसमें मैश किया हुआ बैंगन मिलाएं और कुछ देर तक पकने दें। अंत में हरे धनिये से सजाकर इसे रोटी या पराठे के साथ खाएं।

बैंगनी चावल

बैंगनी चावल एक अनोखा और स्वादिष्ट व्यंजन है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चावल को पकाकर अलग रख लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, हल्दी पाउडर और ध ानिया पाउडर डालें। अब इसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाकर भूनें। इसके बाद इसमें मैश किया हुआ बैंगन मिलाएं और थोड़ी देर पकने दें। अंत में पके हुए चावल मिलाकर खाएं।

बैंगन के पकोड़े

बैंगन के पकोड़े एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप चाय के साथ आनंद लेकर खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बेसन में नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अजवाइन मिलाकर घोल तैयार करें। अब बैंगन को पतले–पतले टुकड़ों में काट लें। फिर इन टुकड़ों को बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में तलें, जब तक कि वे सुनहरे भूरे न हो जाएं। इन्हें गर्मा–गर्म चाय और चटनी के साथ परोसें।

बैंगनी करी

बैंगनी करी एक खास तरह की करी है, जिसे नारियल के दूध से बनाया जाता है। इसके लिए सबसे पहले नारियल का दूध गर्म करें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर भूनें। इसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। इसके बाद इसमें टुकड़ों में कटे हुए बैंगन मिलाएं और नारियल का दूध डालकर पकने दें। इसे रोटी या चावल के साथ खाएं।

बैंगनी टिक्का

बैंगनी टिक्का एक बेहतरीन स्टार्टर है, जिसे आप पार्टी या खास अवसरों पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दही में नमक, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और अदरक–लहसुन का पेस्ट मिलाकर मसाला तैयार करें। अब इस मसाले में बड़े–बड़े टुकड़ों में कटे हुए बैंगन डालकर कुछ घंटे ठंडे स्थान पर रखें, ताकि वे अच्छे से मसालों से मिल जाएं। फिर इन्हें सींक पर लगाकर सेंक लें या तवे पर सेंक लें।

ध्यान लगाने से जुड़े इन भ्रमों को सच मानने की न करें गलती, जानें सही जानकारी

ध्यान एक प्राचीन तरीका है, जो मानसिक शांति और आत्म–जागरूकता को बढ़ावा देता है। इसको लेकर कई भ्रम और गलत धारणाएं प्रचलित हैं, जो लोगों को इसके अभ्यास से दूर रखती हैं या गलत दिशा में ले जाती हैं। इस लेख में हम ध्यान से जुड़े 5 प्रमुख भ्रमों को जानेंगे और उनकी सच्चाई को समझेंगे, ताकि आप सही जानकारी के साथ ध यान का अभ्यास कर सकें और इसके लाभ उठा सकें। भ्रम– केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है ध्यान यह सबसे आम गलतफहमियों में से एक है कि ध्यान करना केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है। सच्चाई यह है कि ध्यान एक वैज्ञानिक तरीका है, जो किसी भी व्यक्ति की जीवनशैली में शामिल किया जा सकता है। चाहे आप धार्मिक हों या नहीं, आप ध्यान लगा सकते हैं। यह मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्म–जागरूकता बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है। ध्यान का अभ्यास किसी भी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग कर सकते हैं। भ्रम– ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की होती है जरूरत कई लोग मानते हैं कि ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, जबकि ऐसा नहीं है। आप खुद ही सरल तरीकों से ध्यान करना सीख सकते हैं। इंटरनेट पर कई वीडियो और लेख उपलब्ध हैं, जो आपको घर बैठे ही सही तरीके से ध्यान करने की जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा आप किताबें पढ़कर भी ध्यान की तकनीकों को समझ सकते हैं और उन्हें अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं। भ्रम– ध्यान करना होता है मुश्किल ध्यान से जुड़ा एक और सामान्य भ्रम यह है कि इसे करना बहुत मुश्किल होता है। सच्चाई यह है कि शुरूआत में थोड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से इसमें महारत हासिल की जा सकती है। बस आपको धैर्य रखना होगा और धीरे–ध ीरे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। ध्यान का अभ्यास जितना ज्यादा करेंगे, उतनी ही आसानी से आप इसे कर पाएंगे और इसके फायदों का आनंद ले सकेंगे। भ्रम– ध्यान करने से आती है नींद यह भी एक गलत धारणा है कि ध्यान करने से नींद आती है। वास्तव में ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके मन को शांत करती है और आपको अधि क सतर्क बनाती है। सही समय पर और सही तरीके से किया गया ध्यान आपको बेहतर नींद देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे करने से तुरंत नींद आ जाएगी। ध्यान करने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। भ्रम– ध्यान करने से दिमाग हो जाता है खाली

ध्यान से जुड़ा एक भ्रम यह भी है कि ध्यान करने पर दिमाग खाली हो जाता है। वास्तव में ध्यान का मतलब है अपने विचारों को नियंत्रित करना, न कि उन्हें पूरी तरह से खत्म करना। इससे आप अधिक स्पष्टता और फोकस प्राप्त करते हैं। इन सभी भ्रमों को समझकर हम देख सकते हैं कि कैसे ये हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं और हमें सही जानकारी प्राप्त करने से रोकते हैं।

एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती, फिल्म द केरल स्टोरी 2 पर बोलीं मीरा चोपड़ा

फिल्म द केरल स्टोरी 2 कल शुक्रवार को रिलीज हो गई है। एक तरफ इस फिल्म को लेकर विवाद है। कुछ लोग इसे प्रोपोगेंडा फिल्म कहकर आलोचना कर रहे हैं। मगर, वहीं, फिल्म जब थिएटर्स में लग गई है तो इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। साउथ की चर्चित अभिनेत्री मीरा चोपड़ा ने इस फिल्म को

देखने के बाद अपने विचार साझा किए हैं।

मीरा चोपड़ा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म द केरल स्टोरी 2 को जरूर देखे जानी वाली फिल्म बताया है। वे लिखती हैं, फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह भारत के लिए एक वेक–अप सायरन है। एक हिंदू महिला होने के नाते, युवा लड़कियों को ग्रूम करने, जबर्दस्ती करने और सोच के आधार पर टारगेट करने को देखकर मुझे गुस्सा आता है। सिस्टमैटिक तरीके से उन्हें सिखाने और शोषण करने का तरीका डरावना है।

मीरा चोपड़ा ने आगे लिखा है, एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती। महिलाओं की सुरक्षा प्रोपेगैंडा नहीं है। यह देशभक्ति है। अगर हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारा देश सुरक्षित नहीं है। हमारी महिलाओं की रक्षा करें। हमारी सभ्यता की रक्षा करें। उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह को टैग करते हुए लिखा है, आपने इस फिल्म को बनाने में जो हिम्मत दिखाई है, उसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। मैं हर परिवार, हर बेटी और हर भाई से गुजारिश करूंगी कि वे यह फिल्म जरूर देखें।

नींबू से बनाए जा सकते हैं ये 5 व्यंजन, होते हैं खट्टे–मीठे और लजीज

नींबू एक ऐसा फल है, जो भारतीय खान–पान में खास तौर से शामिल होता है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह व्यंजनों के स्वाद को भी बढ़ा देता है। नींबू में विटामिन–सी, एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल होते हैं, जो शरीर को ताजगी और ऊर्जा प्रदान करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे अनोखे और आसान व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप नींबू का इस्तेमाल करके बना सकते हैं।

नींबू की चटनी: नींबू की चटनी एक बेहतरीन साइड डिश है, जिसे आप किसी भी समय बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको ताजा नींबू, पुदीना, हरी मिर्च, नमक और थोड़ी–सी चीनी चाहिए होगी। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर मिक्सर में पीस लें। यह चटनी न केवल आपके खाने को स्वादिष्ट बनाती है, बल्कि इसमें मौजूद विटामिन–सी आपके शरीर की रक्षा प्रणाली को भी मजबूत करता है। इसे आप पराठे या चावल के साथ खा सकते हैं।

नींबू का रायता: गर्मियों में ठंडा–ठंडा रायता खाना किसे पसंद नहीं होता? नींबू का रायता बनाना भी बहुत आसान है। इसके लिए आपको दही, कद्दूकस किए हुए नींबू के छिलके, भुना जीरा पाउडर, नमक और काला नमक चाहिए होगा। सभी सामग्रियों को मिलाकर अच्छे से फेंट लें। यह रायता न केवल आपके खाने को संतुलित करता है, बल्कि इसमें मौजूद अच्छे बैक्टीरिया आपके पेट के लिए भी फायदेमंद होते हैं। इसे आप बिरयानी या पुलाव के साथ परोस सकते हैं।

नींबू की मुरब्बा: नींबू की मुरब्बा एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे लंबे समय तक रखा जा सकता है। इसे बनाने के लिए छोटे–छोटे कटे हुए नींबू, चीनी, पानी और कुछ मसाले जैसे इलायची या दालचीनी का इस्तेमाल किया जाता है। इस मुरब्बे को आप नाश्ते में या खाने के बाद खा सकते हैं। यह आपके पेट को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और विटामिन–सी का अच्छा स्रोत होता है। इसमें आप अन्य मसाले भी शामिल कर सकते हैं।

नींबू की सब्जी

सब्जी में नींबू का इस्तेमाल करना थोड़ा नया है, लेकिन इसका स्वाद बहुत अच्छा आता है। इसके लिए आपको आलू, टमाटर, प्याज, अदरक–लहसुन का पेस्ट, हल्दी, धनिया पाउडर और ताजे नींबू का रस चाहिए होगा। सभी मसालों को भूनकर उसमें कटे हुए आलू और टमाटर डालें, फिर ऊपर से नींबू का रस डालकर पकने दें। यह सब्जी रोटी या चावल, दोनों के साथ अच्छी लगती है और खट्टे–मीठे स्वाद वाली होती है।

नींबू की बर्फी

मीठे के शौकीनों के लिए नींबू की बर्फी एक बेहतरीन विकल्प होगी। इसे बनाने के लिए आपको खोया, चीनी, इलायची पाउडर और कद्दूकस किए हुए नींबू के छिलके की जरूरत पड़ेगी। खोया को भूनकर उसमें चीनी मिलाएं, फिर इलायची पाउडर और नींबू के छिलके डालकर मिलाएं। इस मिश्रण को थाली में फैलाकर ठंडा होने दें, फिर काटकर बर्फी बनाएं। यह मिठाई न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं।